सुविचार

मुस्कुराहट वह ताकत है जो बड़े से बड़े दुख को भी हल्का कर देती है।

प्रथम न्यूज़

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

PRATHAM NEWS

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

वैभव सूर्यवंशी के साथ श्रीलंकाई खिलाड़ी ने की धक्का-मुक्की, 15 साल के लड़के ने जमकर दिया जवाब...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 165 | दिनांक : मंगलवार, 16 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज़

अमेरिका-ईरान समझौते के बाद खुला होर्मुज, तेल बाजार में लौटी स्थिरता

नई दिल्ली (ब्यूरो)- अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के बाद शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में औपचारिक हस्ताक्षर होने की संभावना है। समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने और व्यापारिक गतिविधियां बहाल करने का प्रावधान शामिल है। इससे भारत समेत तेल आयात करने वाले देशों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

ईरान और ओमान के बीच स्थित होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत संभालता है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के लिए यह निर्यात का मुख्य मार्ग है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इन्हीं देशों से आयात करता है।

अमेरिका-ईरान तनाव के कारण फरवरी के अंत में इस जलमार्ग से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें बढ़ गई थीं। युद्धविराम और स्ट्रेट के दोबारा खुलने की खबर के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 4 प्रतिशत गिरकर 84 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि तेल आपूर्ति सामान्य होने से भारत का आयात बिल कम होगा, माल ढुलाई लागत घटेगी और महंगाई पर दबाव कम पड़ेगा। इससे सरकारी तेल कंपनियों को हो रहे नुकसान में भी धीरे-धीरे कमी आ सकती है। हाल के महीनों में बढ़ी पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी की कीमतों पर भी इसका सकारात्मक असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

पंजाब कांग्रेस का झगड़ा सुलझाने बनाए गए सरपंच

दिल्ली (एएम नाथ)- पंजाब में कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या ये है कि कम से कम आधा दर्जन नेता अपने आप को मुख्यमंत्री के रेस में देखते हैं।

कांग्रेस ने पंजाब में अब विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पंजाब को लेकर तीन नेताओं की एक समिति बनाई है जिसमें अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन और भजनलाल जाटव को शामिल किया गया है। इन नेताओं से कहा गया है कि पंजाब में कांग्रेस की क्या हालत है वहां पर पार्टी को क्या करना चाहिए इस पर वहां के नेताओं से बातचीत करके एक रिपोर्ट बना कर दें जिसमें सुझाव भी होने चाहिए।

सबसे मजेदार बात है कि अजय माकन को सितंबर 2021 में भी पंजाब का पर्यवेक्षक बना कर भेजा गया था और माना जाता है कि उन्हीं के रिपोर्ट के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटा करके चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। हालांकि कांग्रेस का यह प्रयोग विफल रहा था और पंजाब में कांग्रेस के हाथ से सत्ता चली गयी थी। अभी हाल में ही पंजाब में जो स्थानीय निकाय के चुनाव हुए हैं उसमें कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही है।

दलित सिख के साथ पिछली बार कांग्रेस चुनाव में उतरी थी तब कांग्रेस को पंजाब के दलितों का सबसे ज्यादा वोट मिला था मगर बाकी समुदायों का वोट नहीं मिला। इसलिए कांग्रेस को इस बार पंजाब में समुदायों के बीच संतुलन बनाना पड़ेगा। यही वजह है कि हिंदू समुदाय से आने वाले विजय इंदर सिंगला को संगठन में बड़ा स्थान देने की बात हो रही है। इनके कार्यकारी अध्यक्ष बनाने की चर्चा है।

बीजेपी सिख वोट में सेंध लगाने की तैयारी में - पंजाब में हमेशा सिख और हिंदू समुदाय के बीच ही राजनीति चलती है। यहां 57 फीसदी सिख हैं और 38 फीसदी हिंदू। बीजेपी को शहरी हिन्दू वोटों का सहारा है मगर सिख वोटों में सेंध लगाने के लिए बीजेपी ने इस पर सुनील जाखड़ को हटा कर सरदार केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस आलाकमान को लगता है कि पंजाब में कांग्रेस की जड़ें हैं और यहां विधानसभा में अच्छा प्रदर्शन किया जा सकता है।

मोदी-फिको वार्ता में रक्षा, एआई और व्यापार सहयोग पर जोर, 11 समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत-स्लोवाकिया संबंधों को मिला 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा

» प्रथम न्यूज़ । नई दिल्ली

15 जून (एजेंसी)

भारत और स्लोवाकिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देते हुए उन्हें 'व्यापक साझेदारी' (कॉम्प्रिहेंसिव पार्टनरशिप) का दर्जा देने का निर्णय लिया है। इस महत्वपूर्ण घोषणा के साथ दोनों देशों ने आतंकवाद-विरोधी संयुक्त कार्य समूह तथा वाणिज्य दूतावास संवाद तंत्र की स्थापना करने पर भी सहमति जताई। स्लोवाकिया की राजधानी बातिस्लावा में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के बीच हुई वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच 11 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी और फिको ने आमने-सामने तथा प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठकों में दोनों देशों के संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। वार्ता के दौरान व्यापार एवं निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, शिक्षा, संस्कृति तथा प्रतिभा एवं जन-आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के नए अवसरों पर चर्चा हुई।

दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण आशय पत्र पर भी हस्ताक्षर किए। समझौतों के तहत श्रम प्रवासन, पर्यटन, विज्ञान एवं अनुसंधान, डिजिटल प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, ऑडियो-विजुअल निर्माण, क्वांटम संचार, महत्वपूर्ण अवसंरचना संरक्षण, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुष, छात्र विनिमय कार्यक्रम, छात्रवृत्तियों तथा शोध सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा, कोसिसे तकनीकी विश्वविद्यालय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की पहली चेयर स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक शासन संस्थाओं में सुधार और बहुपक्षवाद को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

नेताओं ने यह भी कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लागू होने से व्यापार, विनिर्माण, निवेश और रोजगार सृजन के नए अवसर खुलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के प्रति स्लोवाकिया द्वारा व्यक्त एकजुटता और समर्थन के लिए प्रधानमंत्री फिको का आभार व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ मिलकर लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के बाद प्रधानमंत्री फिको ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में भोज का आयोजन किया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने समकक्ष को सुविधाजनक समय पर भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

स्लोवाकिया ने पीएम मोदी को दिया अपना सर्वोच्च सम्मान, प्रधानमंत्री का ये 33वां ग्लोबल ऑनर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्लोवाकिया के दौरे पर हैं। इस दौरान स्लोवाकिया ने भी उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास) से सम्मानित किया। अपने सर्वोच्च सम्मान से पीएम मोदी को सम्मानित करने वाला स्लोवाकिया 33वां देश है। स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान से नवाजा।

द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास) स्लोवाकिया सम्मान है। यह सम्मान स्लोवाकिया के राष्ट्रपति की ओर से विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को दिया जाता है। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने स्लोवाकिया का आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा कि इस सम्मान के लिए मैं स्लोवाकिया की जनता और सरकार का आभारी हूं। यह सम्मान भारत के 140 करोड़ लोगों का है। मैं यह पुरस्कार भारत और स्लोवाकिया की अटूट दोस्ती को समर्पित करता हूं।

अलग अंदाज में सुनाया वंदे मातरम्, सामने परोसा ब्रेड और नमक...

वंदे मातरम् की गूंज, भारतीय प्रवासियों का जोरदार स्वागत और स्लोवाकिया की ब्रेड एंड साल्ट वाली खास परंपरा... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्लोवाकिया दौरा यादगार बन गया है। ब्रातिस्लावा पहुंचते ही उन्हें शानदार स्वागत मिला, जहां भारतीय संस्कृति और स्लोवाक परंपराओं का अनोखा संगम देखने को मिला। इस दौरान फेमस ग्रूप लुस्निका एन्सेम्बल ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की अपने ही अंदाज में शानदार प्रस्तुति दी। पीएम मोदी का यहां के सदियों पुरानी परंपरा ब्रेड और सॉल्ट से भी स्वागत किया गया। वहीं भारतीय समुदाय के लोगों ने भी पीएम मोदी का उत्साह के साथ स्वागत किया। पीएम मोदी का दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि 1993 में स्लोवाकिया की आजादी के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है।

ब्रातिस्लावा के एक होटल में फेमस ग्रूप लुस्निका एन्सेम्बल ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में वंदे मातरम् परफॉर्म किया। ब्रातिस्लावा पहुंचने पर पीएम मोदी का स्लोवाकिया की सदियों पुरानी परंपरा %ब्रेड और सॉल्ट से भी स्वागत किया गया। यह परंपरा मेहमाननवाजी, सम्मान और सद्भावना का प्रतीक मानी जाती है। स्लोवाक संस्कृति में ब्रेड समृद्धि और जीवनयापन का प्रतीक है, जबकि सॉल्ट दोस्ती, महत्व और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। यह परंपरा आमतौर पर विशेष मेहमानों के स्वागत के लिए अपनाई जाती है और यह दिखाती है कि स्लोवाक लोग मेहमानों का स्वागत कितनी गर्मजोशी से करते हैं।

हिमाचल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नगर निकाय चुनावों में विधायकों का मतदान अधिकार बहाल

» प्रथम न्यूज़ । शिमला

15 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश सरकार को नगर निकायों के नेतृत्व चुनाव से जुड़े अहम मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के उस अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें विधायकों को नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों में मेयर, डिप्टी मेयर, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव में मतदान करने से रोका गया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब विधायक इन चुनावों में मतदान कर सकेंगे।

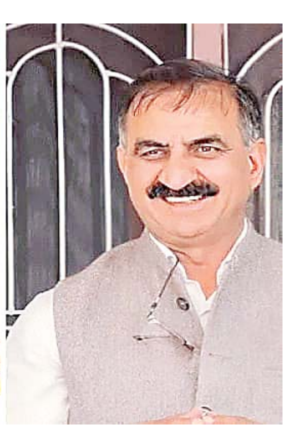

महाधिवक्ता अनूप रत्न ने बताया कि यह केवल सरकार को मिली राहत नहीं, बल्कि कानून की सही व्याख्या की पुष्टि है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश म्युनिसिपल एक्ट, 1994 की धारा 10(3) के तहत विधायकों को एक्स-ऑफिसियो सदस्य के रूप में मतदान का अधिकार दिया गया है और विधानसभा ने जानबूझकर इस अधिकार को किसी विशेष बैठक तक सीमित नहीं रखा।

अंतरिम आदेश पारित करते समय मुख्य याचिका का अंतिम निर्णय नहीं दिया जा सकता

महाधिवक्ता ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने माना कि अंतरिम आदेश पारित करते समय मुख्य याचिका का अंतिम निर्णय नहीं दिया जा सकता।

साथ ही अदालत ने यह भी माना कि विधायक जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि हैं और कानून के तहत उनका मतदान अधिकार अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव में भी लागू रहेगा।

विधायक कर सकेंगे मतदान

उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगने के बाद अब नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों में होने वाले आगामी अध्यक्ष-उपाध्यक्ष तथा मेयर-डिप्टी मेयर चुनावों में विधायक मतदान कर सकेंगे। कहा कि जहां पहले ही चुनाव संपन्न हो चुके हैं और परिणाम घोषित हो चुके हैं, वहां यदि किसी पक्ष को आपत्ति है तो उसे चुनाव याचिका के माध्यम से ही कानूनी चुनौती देनी होगी।

संजौली हत्याकांड का खुलासा: 40 घंटे में हरियाणा के दो शूटर गिरफ्तार, दो पिस्तौल बरामद

» प्रथम न्यूज़ । शिमला

15 जून (बी. शर्मा)

शिमला। शिमला के संजौली क्षेत्र में हुए चर्चित मनीषा मित्तल हत्याकांड का पुलिस ने महज 40 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने हत्या को अंजाम देने वाले दोनों मुख्य शूटरों को हरियाणा के रोहतक से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई दो पिस्तौल भी बरामद की गई हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अभिषेक ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह हत्या पुरानी व्यक्तिगत रंजिश और प्रॉपर्टी विवाद के चलते सुनियोजित तरीके से करवाई गई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 22 वर्षीय आशीष अहलावत निवासी झज्जर और 25 वर्षीय दीपक निवासी रोहतक के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें आर्म्स एक्ट और गंभीर मारपीट से जुड़े मामले शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने पहचान छिपाने के लिए अपने चेहरे पूरी तरह ढक रखे थे। उन्होंने अपनी सफेद स्विफ्ट कार पर हरियाणा के असली नंबर की जगह हिमाचल प्रदेश की फर्जी 'एचपी-10' सीरीज नंबर प्लेट लगा रखी थी। साथ ही पुलिस नाकों से बचने के लिए मुख्य सड़कों के बजाय संपर्क मार्गों का इस्तेमाल किया गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। वैज्ञानिक साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने वाहन का वास्तविक नंबर ट्रेस कर आरोपियों तक पहुंच बनाई। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

पुलिस अब तक 15 से 20 लोगों से पूछताछ कर चुकी है और मामले में किसी अन्य साजिशकर्ता या सहयोगी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्द ट्रांजिट रिमांड पर शिमला लाकर आगे की पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने लोगों को आश्वस्त किया है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

श्री अकाल तख्त का बड़ा फैसला; पंजाब कैबिनेट और सभी सिख विधायक 29 जून को तलब

» प्रथम न्यूज़ । अमृतसर

15 जून (साहब दयाल)

श्री अकाल तख्त साहिब में पांच सिंह साहिबान की हुई बैठक में पंजाब सरकार की ओर से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के खिलाफ बनाए गए कानून में संशोधन नहीं करने पर विधानसभा के सभी सिख विधायकों व पूरी कैबिनेट को 29 जून को श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होने का आदेश दिया है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री भगवंत मान को पंथ का दोषी करार देते हुए सिखों को उनसे किसी भी तरह का संबंध रखने पर रोक लगा दी है। मान को पंथ का दोषी और उनसे संबंध रखने पर रोक लगने से कैबिनेट के समक्ष भी परेशानी खड़ी हो गई है। बैठक के बाद श्री अकाल तख्त के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि एसजीपीसी ने सरकार की ओर से बनाए गए जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कानून 2026 के कुछ प्रविधानों पर कड़ी आपत्ति जताई थी। श्री अकाल तख्त ने इन आपत्तियों को दूर करने के लिए पंजाब सरका को कहा था लेकिन मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इससे साफ इन्कार कर दिया।

29 जून को सभी विधायकों को किया तलब : जत्थेदार ने कहा कि श्री अकाल तख्त की सर्वोच्चता को बरकरार रखने के लिए हर सिख अपना सिख अपना सिर कटवा सकता है पर किसी भी तरह के अड़ियल रवैये के कारण उसकी मर्यादा को भंग होने नहीं दे सकता। इसी कारण पंजाब कैबिनेट और सिख विधायकों जिन्होंने इस बिल पर सहमति जताई है, उन्हें 29 जून को श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष तलब किया गया है। इसी तरह मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनके एक आपत्तिजनक वीडियो के संबंध में स्पष्टिकरण मांगा गया था। मुख्यमंत्री ने श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होकर इस वीडियो को एआइ से तैयार किया गया बताया था। जत्थेदार ने कहा कि इस विडियो की देश की दो फारेंसिक लैब से जांच करवाई गई है और वीडियो असली पाए गए हैं। इस कारण उन्हें पंथ का दोषी करार दिया गया है। उन्होंने सिखों को आदेश दिया कि कोई भी मुख्यमंत्री से संबंध नहीं रखेगा।

कमजोर वर्ग की चिंता करने वाला समाज ही सच्चा विकसित समाज : नायब सिंह सैनी

लुधियाना में विधवा सहायता समारोह में सीएम सैनी ने सेवा कार्यों की सराहना की, ज्ञान स्थल मंदिर सेवा सोसाइटी को 11 लाख रुपये अनुदान देने की घोषणा

» प्रथम न्यूज़ । लुधियाना

15 जून (एएम नाथ)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि कमजोर, असहाय और जरूरतमंद लोगों के प्रति उसकी संवेदनशीलता से होती है। जो समाज अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की चिंता करता है, वही वास्तव में विकसित और मानवीय समाज कहलाता है।

मुख्यमंत्री लुधियाना स्थित ज्ञान स्थल मंदिर सेवा सोसाइटी द्वारा आयोजित 346वें मासिक विधवा राशन एवं सहायता वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने संस्था के जनसेवा कार्यों की सराहना करते हुए 11 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा और अंत्योदय की भावना को मजबूत करने में सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद लाला जगत नारायण को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और मानव सेवा के लिए समर्पित किया। उनकी सेवा और बलिदान की प्रेरणा को संस्था आज भी आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1997 में स्वर्गीय जगदीश बजाज द्वारा शुरू किया गया यह अभियान आज एक व्यापक जनसेवा आंदोलन का रूप ले चुका है। सैनी ने कहा कि संस्था अब तक 1.65 लाख से अधिक विधवा परिवारों तक राशन पहुंचा चुकी है। इसके अलावा 385 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, 1.15 लाख से अधिक महिलाओं को सिलाई मशीनें तथा 25 हजार से अधिक बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित परिवारों के लिए भेजे गए 64वें राहत सामग्री ट्रक की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। प्रदेश में विधवा महिलाओं को 3,200 रुपये मासिक पेंशन दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है। समारोह में कई सामाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

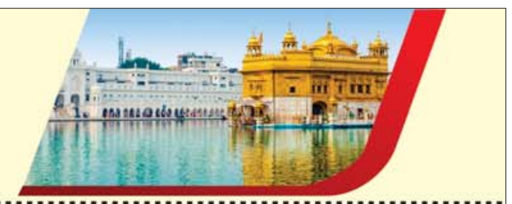

संक्षिप्त न्यूज

खेल बच्चों के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है : सुख़दीप सिंह जज

जालंधर, 15 जून(डोगरा)– मॉडल टाउन टेनिस अकादमी द्वारा आयोजित समर ओपन राज्य स्तरीय टेनिस टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन एवं मेजबानी अंतरराष्ट्रीय टेनिस कोच और इंटरनेशनल सर्टिफाइड कोच सुख़दीप सिंह जज द्वारा की गई। इस अवसर पर टेनिस कोच सुख़दीप सिंह जज ने कहा कि

बच्चों का विकास एक बहुआयामी प्रक्रिया है, और खेल इसे आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शारीरिक क्षमता और टीम वर्क विकसित करने से लेकर आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने तक, खेलों के माध्यम से बच्चों का विकास उन्हें सर्वांगीण व्यक्तित्व प्रदान करता है, जो कक्षा के अंदर और बाहर दोनों जगह सफलता प्राप्त करने में सक्षम होते हैं। सुख़दीप बताया कि तीन दिवसीय इस टूर्नामेंट में पंजाब सहित विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।टूर्नामेंट में मॉडल टाउन टेनिस अकादमी के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। पुरुष वर्ग में गुरनूर सिंह विजेता रहे, जबकि जसकीरत सिंह,उपविजेता बने। अंडर–12 वर्ग में अर्जुन यादव तथा अंडर–16 वर्ग में मयंक गुप्ता ने खिताब अपने नाम किए। सभी विजेता खिलाड़ी मॉडल टाउन टेनिस अकादमी में सुख़दीप सिंह जज के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सुखदेव बिट्टू विज को जीरा विकास परिषद द्वारा सम्मानित किया गया

जीरा, 15 जून (अंग्रेज बराड़) – जन कल्याण कार्यों के लिए गठित सामाजिक सेवा संगठन जीरा विकास परिषद में, जीरा नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष और संगठन के संरक्षक सुखदेव बिट्टू विज को कुछ ही दिनों में अनेक सामाजिक सेवा

कार्यों में उनके योगदान के लिए संगठन के पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि सुखदेव बिट्टू विज के प्रयासों से, जिन्होंने जीरा विकास परिषद में सक्रिय भूमिका निभाई है, लगभग एक महीने पहले उनके संरक्षण में गठित इस संगठन ने कुछ ही दिनों में न केवल शहर के विभिन्न सामाजिक सेवा संगठनों के नेताओं को, बल्कि शहर की कई प्रमुख हस्तियों को भी सदस्यता लेकर संगठन के प्रति अपनी विश्वसनीयता प्रदर्शित की है। वहीं दूसरी ओर, संगठन द्वारा पूरे वर्ष आयोजित सामाजिक सेवा कार्यक्रमों को देखते हुए, शहर की प्रमुख हस्तियों ने जीरा विकास परिषद को भारी आर्थिक सहयोग दिया है। इस अवसर पर संरक्षक सुखदेव बिट्टू विज को सम्मानित करने वालों में चरणप्रीत सिंह सोनू अध्यक्ष, सेवानिवृत्त हेड मास्टर जगदेव शर्मा महासचिव, संजीव नारंग, पुष्पिंदर सिंह हैप्पी कैशियर, तरसेम लाल जुनेजा चेयरमैन, प्रीतराज हीरो, डॉ. प्रदीप वर्मा हेल्थ प्रोजेक्ट प्रभारी, अनिल बजाज प्रोजेक्ट प्रभारी, डॉ. दीप गगन गुप्ता स्वास्थ्य परियोजना प्रभारी, वरिंदर जैन, राम प्रकाश सेवानिवृत्त एसपी, हरप्रीत सिंह लाडी, नरिंदर नारंग, सुरिंदर शर्मा जेई, नरिंदर सिंह लेक्चरर, रमेश चंद्र शामिल थे। फार्मासिस्ट डॉ. सुखमीत पीटी, रिंकू सचदेवा व हरप्रीत लाडी विशेष रूप से उपस्थित थे।

रोटरी आई बैंक की समाज सेवा से प्रभावित होकर सेवानिवृत्त शिक्षाविदों ने थामी सोसायटी का दामन : डॉ. जमील बाली

होशियारपुर(तरसेम दीवाना)– श्रीमती ललिता अरोड़ा (सेवानिवृत डी.ई.ओ.) और माननीय श्रीमान तेजिंद्र अरोड़ा जी (सेवानिवृत प्रिंसीपल) ने रोटरी आई बैंक एवं कॉर्निया ट्रांसप्लांटेशन सोसायटी होशियारपुर को ज्वाइन किया। इस अवसर पर जानकारी देते हुए अरोड़ा दम्पति ने बताया कि वे काफी देर से इस सोसायटी से जुड़ना चाहते थे क्योंकि वो इस सोसायटी की कार्य प्रणाली और कार्य शैली से बहुत प्रभावित हैं। सोसायटी के प्रधान श्री जे.बी.बहल ने अरोड़ा दम्पति को सोसायटी द्वारा अब तक किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि सोसायटी अब तक 4168 नि:शुल्क कॉर्निया ट्रांसप्लांट करवा चुकी है इस के अतिरिक्त सोसायटी 30 मृतक शरीर विभिन्न मेडीकल कालेजों को भेज चुकी है और करीब 1600 स्कूल छात्रों की आंखें की जांच करवा चुकी है। इस अवसर पर अरोड़ा दम्पति ने सोसायटी को यथासंभव वित्तीय सहायता देने का आश्वासन भी दिया।

सोसायटी के संस्थापक डा. एम. जमील बाली जी ने सभी सदस्यों को नेत्र दान के महत्व और प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि न केवल भारत में अपितु विश्व भर में नेत्र दान के महत्व को समझा गया है और विश्व के सभी देश इस कार्य को पूर्ण रूचि ले कर कर रहे हैं। इस अवसर पर ललिता अरोड़ा, तेजिंदर कुमार, डा. जमील बाली, जे.बी. बहल, प्रो. दलजीत सिंह, प्रिं. डी.के. शर्मा, वीणा चोपड़ा, प्रो. राजीव शर्मा, जसबीर कंवर, अश्वनी कुमार दत्ता, कृष्ण किशोर और सोसाइटी की कोर कमेटी के सदस्य उपस्थित थे।

गुरदासपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई; हेरोइन, ड्रग मनी, नशीली गोलियों और अवैध शराब सहित 08 आरोपी गिरफ्तार

विभिन्न थानों की पुलिस ने 33 ग्राम 20 मिलीग्राम हेरोइन, 2000 रुपए ड्रग मनी और 140 नशीली गोलियां बरामद कीं

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

15 जून (संदीप सन्नी)

जिला गुरदासपुर पुलिस ने विभिन्न मामलों में कुल 08 आरोपियों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ, ड्रग मनी और अवैध शराब बरामद करने में सफलता हासिल की है।

विभिन्न पुलिस थानों द्वारा की गई गिरफ्तारियां और बरामदगी

1. थाना बहरामपुर (अवैध शराब बरामदगी)

क बहरामपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मनीष शर्मा नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 6750 एमएल अवैध शराब बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ थाना बहरामपुर में आबकारी एक्ट की धारा 61-1-14 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

2. थाना दीनानगर (हेरोइन और ड्रग मनी)

क पुलिस ने सूरज कुमार और रजित कुमार को गिरफ्तार कर उनके पास से 10 ग्राम 20 मिलीग्राम हेरोइन और 1000/- रुपए ड्रग मनी बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ थाना दीनानगर में मुकदमा नंबर/धारा 21(बी)/27(ए)-

61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

3. थाना दोरांगला (हेरोइन और ड्रग मनी)

क पुलिस ने अभिषेक नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 07 ग्राम हेरोइन और 1000/- रुपए ड्रग मनी बरामद कर थाना दोरांगला में 21(बी)/27(ए)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

4. थाना सिटी गुरदासपुर (हेरोइन बरामदगी)

क सिटी गुरदासपुर पुलिस ने दीपक नाम के आरोपी को काबू कर उसके पास से 06 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी के खिलाफ धारा 21(बी)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

5. थाना धारीवाल (नशीली गोलियां बरामदगी)

क धारीवाल पुलिस ने रिंपी नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 140 नशीली गोलियां बरामद की गई हैं और उसके खिलाफ धारा 22-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

6. थाना सदर गुरदासपुर (हेरोइन बरामदगी)

क सदर पुलिस ने अदोम मसीह नाम के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 04 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी के खिलाफ धारा 21-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

7. थाना तिब्बड़(हेरोइन बरामदगी)

क पुलिस ने दीपक उर्फ तोता को गिरफ्तार कर उसके पास से 06 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी के खिलाफ थाना तिब्बड़ में धारा 21(बी)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर रजिस्टर किया गया है।

एसएसपी गुरदासपुर की आम जनता से अपील

आदित्य, एसएसपी गुरदासपुर ने जिले के निवासियों से पुरजोर अपील की है कि वे समाज में अवैध और नशे का कारोबार करने वाले असामाजिक तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध और नशे के धंधे में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ ठोस व सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एसएसपी ने दोहराया कि नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करने और बुरे तत्वों को काबू करने के लिए जिला गुरदासपुर की पुलिस पूरी तरह से वचनबद्ध है।

भारत चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का संशोधित शेड्यूल किया जारी

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – भारत चुनाव आयोग द्वारा पात्रता तिथि 01.10.2026 के आधार पर मतदाता सूचियों के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का संशोधित शेड्यूल जारी किया गया है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी गुरदासपुर आदित्य उप्पल ने बताया कि भारत चुनाव आयोग द्वारा नए संशोधित शेड्यूल के अनुसार अब मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन पहले से निर्धारित तिथि 31.07.2026 के स्थान पर अब 03.08.2026 को किया जाएगा।

दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की नई तिथियां – जिला चुनाव अधिकारी ने बताया कि समय-सारणी में निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं-

दावे और आपत्तियां दर्ज करना- मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का समय पहले 31.07.2026 से 30.08.2026 निर्धारित था। अब नागरिक नए शेड्यूल के अनुसार 03.08.2026 से 02.09.2026 तक अपने दावे और आपत्तियां पेश कर सकेंगे।

दावों और आपत्तियों का निपटारा- प्राप्त हुए दावों, आपत्तियों के निपटारे और नोटिस फेज़ की प्रक्रिया अब 03.08.2026 से 28.09.2026 तक मुकम्मल की जाएगी। डीसी उप्पल ने स्पष्ट किया कि इस मतदाता सूची सुधार अभियान की बाकी बची हुई सभी गतिविधियों का शेड्यूल पहले वाला ही रहेगा, उसमें कोई अन्य बदलाव नहीं किया गया है।

दिव्यांगों और बुजुर्गों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क स्थापित

उन्होंने बताया कि इस स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को ध्यान में रखते हुए, मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंजाब के निर्देशों के अनुसार जिला प्रशासनिक परिसर, गुरदासपुर के ब्लॉक-बी, कमरा नंबर 427 में एक विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है।

सरकार की मेरी रसोई योजना की किट वितरण को लेकर डिपो होल्डर्स में रोष

» प्रथम न्यूज । जालंधर

15 जून (डोगरा)

पंजाब सरकार की मेरी रसोई योजना के तहत लाभार्थियों को वितरित की जा रही राशन किटों को लेकर डिपो होल्डर्स में भारी रोष है। इसका मुख्य कारण किटों की ढुलाई और वितरण के लिए सरकार द्वारा उचित मानदेय (कमीशन) का न मिलना है, जिसके विरोध में डिपो संचालक ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। डिपो होल्डर्स का आरोप है कि योजना के तहत उन्हें जो कमीशन निर्धारित किया गया है, वह उनकी मेहनत और खर्चों के मुकाबले बेहद कम है, जिसके कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

डिपो होल्डर्स का कहना है कि त्रैमासिक राशन किटों में दाल, चीनी, नमक, तेल और हल्दी जैसी वस्तुओं को लाभार्थियों तक पहुंचाना, उनका रिकॉर्ड रखना तथा वितरण प्रक्रिया पूरी करना काफी मेहनत वाला कार्य है। इसके बावजूद सरकार द्वारा तय की गई कमीशन राशि नाकाफी

है, जिसे वे स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। इसके अलावा, राशन वितरण के दौरान इस्तेमाल होने वाली ई-पॉश मशीनों में तकनीकी दिक्कतें भी बड़ी समस्या बनी हुई हैं। कई बार लाभार्थियों, विशेषकर बुजुर्गों के बायोमेट्रिक अंगूठे के निशान मैच नहीं होते, जिससे राशन वितरण में देरी और विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है। डिपो होल्डर्स का कहना है कि इन तकनीकी समस्याओं का खामियाजा भी उन्हें ही भुगतना पड़ता है। डिपो होल्डर यूनियनों ने चेतावनी दी है कि यदि कमीशन में उचित बढ़ोतरी नहीं की गई और तकनीकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो उनके लिए इस योजना का संचालन आर्थिक रूप से असंभव हो जाएगा और वे संघर्ष तेज करने को मजबूर होंगे।

दूसरी ओर, योजना के तहत वितरित किए जा रहे थैलों पर मुख्यमंत्री की तस्वीरें छापे जाने को लेकर भी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। वहीं सरकार और संबंधित विभागों ने डिपो होल्डर्स को निर्देश दिए हैं कि सभी पात्र लाभार्थियों को राशन पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से वितरित किया जाए। राशन वितरण में लापरवाही या भेदभाव की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। डिपो होल्डर्स का कहना है कि वे गरीबों को राशन पहुंचाने के पक्ष में हैं, लेकिन उचित कमीशन और बेहतर व्यवस्था के बिना अतिरिक्त कार्यभार उठाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है।

श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए कैंप लगाए जाएं : राम भवन गोस्वामी

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

15 जून (साहिब दयाल)

उत्तर प्रदेश-बिहार कल्याण परिषद पंजाब के प्रधान डॉ जेपी.सिंह और जनरल सेक्रेटरी राम भवन गोस्वामी ने श्रम विभाग के सहायक श्रम आयुक्त जशनदीप सिंह कंग से मिलकर श्रमिक स्कीमों की विशेष तौर पर चर्चा की, तथा श्रमिकों को होने वाली समस्याओं की बारे में विधवत अवगत कराया।

इस मौके पर जशनदीप सिंह ने सभी बिंदुओं को बड़े ध्यान से सुना तथा उक्त लोगों को विश्वास दिलाया कि सभी समास्याओं का हल पहल के आधार पर किया जाएगा।परिषद की तरफ से कंस्ट्रक्शन से जुड़े श्रमिकों के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विषेश कैंपों की मांग कि गई, जिसे स्वीकारते हुए जशनदीप सिंह कंग ने

कहा, राष्ट्र के निर्माण में रीढ़ की हड्डी की तरह काम करते हैं कंस्ट्रक्शन वर्कर, इसलिए इनके विकास के लिए शहर के हर क्षेत्र में लेबर कार्ड बनाने के लिए विशेष कैंप लगाया जाएगा, तथा उनको अपने अधिकारों के प्रति अवगत कराया जाएगा क्योंकि श्रमिक विकास के बिना किसी भी राज्य या राष्ट्र का विकास नहीं हो सकता। डॉ जेपी सिंह एवं राम भवन गोस्वामी ने उनका धन्यवाद करते हुए विश्वास दिलाया कि इस नेक काम में परिषद जमीनी तौर पर हर प्रकार का सहयोग करेगी। कंस्ट्रक्शन से जुड़े लोगों को इस स्कीम का लाभ दिलाने का पूरा प्रयास किया जायेगा।

जालंधर-पठानकोट नेशनल हाईवे पर दर्दनाक हादसा, मां-बेटी की मौत, एक युवती गंभीर घायल

» प्रथम न्यूज । जालंधर

15 जून (महेश रहेजा)

जालंधर-पठानकोट नेशनल हाईवे पर सोमवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक अज्ञात बस ने सड़क पार कर रही मोटर रेहड़ी (जुगाड़ू रेहड़ी) को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे रेहड़ी पलट गई। हादसे में मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सड़क सुरक्षा

फोर्स (एसएसएफ) के इंचार्ज एएसआई रणजीत सिंह ने बताया कि सुबह करीब 4:30 बजे किसी राहगीर द्वारा हादसे की सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही एसएसएफ की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

जांच के दौरान पता चला कि जालंधर से पठानकोट की ओर जा रही एक अज्ञात बस ने सड़क पार कर रही मोटर रेहड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रेहड़ी पलट गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में रेहड़ी पर सवार पिंकी पत्नी याविद और उसकी बेटी योइदा की मौके पर ही मौत हो गई।

श्री अकाल तख्त साहिब के फैसले पर भगवंत मान तुरंत इस्तीफा दें : अनीता वर्मा

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

15 जून (साहिब दयाल)

श्री अकाल तख्त साहिब ने विवादित वीडियो को सही ठहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री को पंथ विरोधी और गुरु-दोखी घोषित किया है।

तरन तारन से कांग्रेस पार्टी की सीनियर महिला नेता अनीता वर्मा ने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब की तरफ से वायरल वीडियो की फोरेंसिक जांच के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को पंथ विरोधी और गुरु-दोखी घोषित किया जाना पंजाब के इतिहास की बहुत बड़ी घटना है। सीएम मान को यह धार्मिक सजा

पांच सिख साहिबानों की कमेटी की तरफ से सुनाई गई है।

कमेटी का यह फैसला न केवल पंजाब, बल्कि देश और दुनिया भर में बसे सिख समुदाय की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। अनीता वर्मा ने कहा कि सीएम भगवंत मान को अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता, उसकी मर्यादा और करोड़ों सिखों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए बिना किसी देरी के मुख्यमंत्री पद से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए और तुरंत सिख समाज समुदाय से माफी मांगनी चाहिए। उनके खिलाफ इतना बड़ा फैसला आना बहुत गंभीर मामला है। अनीता वर्मा ने कहा कि जब मुख्यमंत्री बेअदबी के खिलाफ एक कड़ा कानून बना सकते हैं, तो उन्हें खुद एक उदाहरण पेश करना चाहिए कि वे जो उपदेश देते हैं, उस पर खुद भी अमल करते हैं।

पेंशनभोगी पंजाब सरकार की कर्मचारी-विरोधी और पेंशनभोगी-विरोधी नीति की कड़ी निंदा करते हैं

पंजाब पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा ने 17 जून को जालंधर प्रांतीय सम्मेलन में भाग लेने की अपील की है

» प्रथम न्यूज । फगवाड़ा

15 जून (कुलदीप सिंह)

पंजाब पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन फागवारा की मासिक बैठक वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार जोशी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन एसोसिएशन के महासचिव और पंजाब स्टेट पेंशनर्स कॉन्फेडरेशन (रजिस्टर्ड) के राज्य सहायक प्रेस सचिव कुलदीप सिंह कौरा ने किया। प्रेस को जानकारी देते हुए प्रेस सचिव शीतल राम बंगा ने बताया कि

यह सूचित किया गया कि बैठक की शुरुआत में हाल ही में दिवंगत हुए संघ के सदस्यों – श्रीमती स्वर्ण कौर (बीपीईओ), एस. अवतार सिंह बस्सी (केंद्र प्रमुख शिक्षक), श्रीमती जोगिंदर कौर (प्रधानाध्यापक) और श्री निवासन (अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनभोगी संघ के राष्ट्रीय वित्त सचिव) – को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। संघ के जिन सदस्यों का जन्मदिन जून माह में पड़ता है, उन्हें जन्मदिन की बधाई दी गई और उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की गई।

बैठक में उपस्थित सभी नेताओं और सदस्यों ने आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार की कर्मचारी और पेंशनभोगी विरोधी नीति की कड़ी निंदा की और कहा कि अब तक की सभी

सरकारों में, आम आदमी पार्टी के एस. भगवंत सिंह मान की पंजाब सरकार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की जायज मांगों को हल करने में सबसे अक्षम साबित हुई है। पिछले साढ़े चार वर्षों में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को कुछ भी देने के बजाय, यह सरकार लगातार उनके लंबे संघर्षों से हासिल किए गए अधिकारों को छीनने का प्रयास कर रही है। उच्च न्यायालय ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के खिलाफ 8 अप्रैल 2026 को एकल न्यायाधीश द्वारा 16 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) की किस्तों और बकाया राशि के भुगतान को लंबे समय से लंबित रखने के संबंध में उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष एक विशेष याचिका (एसएलपी) दायर की है, जिसकी संयुक्त रूप से निंदा की जाती है और मांग की जाती है कि उच्च न्यायालय के निर्णय को तत्काल लागू किया जाए और 30 जून 2026 से पहले कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ता देकर उच्च न्यायालय के निर्णय का सम्मान बहाल किया जाए। नेताओं ने कहा कि जिन सदस्यों का एलटीसी जुलाई में देय है, उन्हें पेंशन पोर्टल पर अपना एलटीसी अपडेट करा लेना चाहिए ताकि उन्हें एलटीसी मिल सके। एक प्रस्ताव पारित करते हुए, पटियाला पुलिस प्रशासन ने पंजाब सरकार के इशारे पर सहायक लाइनमैनों पर किए गए अंधाधुंध लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की और पंजाब सरकार से मांग की कि सभी ग्रेड के सहायक लाइनमैनों को तत्काल नियमित नियुक्ति के आदेश जारी किए जाएं। दूसरे प्रस्ताव को पारित करते हुए, सेवा केंद्रों के कर्मचारियों के नियमितीकरण और वेतन वृद्धि के संघर्ष का भी जोरदार समर्थन किया गया। पंजाब सरकार पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा ने 17 जून से पहले 1 से 5 जून तक बैठक आयोजित करने की मांग की, जिसकी पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को ज्ञापन भेजने के बावजूद बैठक का समय न देने पर कड़ी निंदा की। बैठक में उपस्थित नेताओं ने एसोसिएशन के सभी सदस्यों से अपील की कि वे पंजाब सरकार की कर्मचारी-विरोधी और पेंशनभोगी-विरोधी नीति का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए 17 जून को जालंधर राज्य सम्मेलन में जल्द से जल्द भाग लें, ताकि राज्य अध्यक्ष द्वारा निर्धारित कोटे से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

संस्था द्वारा अतीत में किए गए संघर्षों में भागीदारी पर संतोष व्यक्त किया गया। संस्था के वित्त सचिव गुरनाम सिंह सैनी ने बैठक में उपस्थित सदस्यों के साथ आय और व्यय का विवरण साझा किया और व्यय को स्वीकृत कराया। वित्त सचिव ने संस्था के सदस्यों से 2026 के संघर्ष कोष को जल्द से जल्द जमा करके संस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और एक जिम्मेदार सदस्य होने पर गर्व महसूस करने की अपील की। ??बैठक के अंत में, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद देते हुए, घर पर बैठे सदस्यों से विनम्रतापूर्वक अपील की कि सभी सदस्य संस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए मासिक बैठक और अन्य संघर्षों में सक्रिय रूप से भाग लें ताकि सरकार पर मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाया जा सके। बैठक में प्रमोद कुमार जोशी, जसपाल सिंह ग्रेवाल, कृष्ण गोपाल चोपड़ा, गुरनाम सिंह सैनी, सतपाल सिंह खटकड़, सीतल राम बांगा, प्रिंसिपल धर्मवीर नारंग, प्रिंसिपल तरसेम सिंह सैनी, हेड मास्टर प्यारा सिंह गंभीर, हरी राम छोट, हरिंदर सिंह, केके पांडे, जगदीश लाल कलेर, प्यारा राम जस्सी, हरभजन लाल कौल, रतन सिंह गोराया, कुलदीप सिंह कौरा आदि पेंशनर मित्र भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त न्यूज

विश्व वृद्ध दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों को किया जागरूक

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)– सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, बिलासपुर प्रतीक गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण नई दिल्ली के दिशा–निर्देशानुसार व राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण, शिमला के तत्वाधान में आज 'विश्व वृद्ध दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस' के अवसर पर अपना घर वृद्धाश्रम, देवली (घागस) में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को विश्व वृद्ध दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के महत्व एवं उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष 15 जून को विश्व वृद्ध दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों के साथ होने वाले शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं आर्थिक शोषण के प्रति समाज को जागरूक करना तथा उनके अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा नि:शुल्क विधिक सहायता संबंधी प्रावधानों की जानकारी भी दी।

प्रतीक गुप्ता ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं तथा उनके सम्मान, सुरक्षा एवं गरिमापूर्ण जीवन को सुनिश्चित करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी सुना गया। उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में लगभग 17 लोगों ने भाग लियक्ष लिया।

जिला स्तरीय नारा लेखन व पेंटिंग प्रतियोगिता में लुहारडा विद्यालय के छात्रों ने लहराया परचम

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– पर्यावरण दिवस 2026 के उपलक्ष्य पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता तथा नारा लेखन प्रतियोगिता में राजकीय उच्च पाठशाला लुहारडा के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चार स्थान हासिल किये जिसमें कनिष्ठ वर्ग नारा लेखन में सातवीं कक्षा की छात्रा अनीता जिला भर में प्रथम स्थान पर रही इसी वर्ग में कक्षा आठवीं की छात्रा हिमांशु जिला भर में तीसरे स्थान पर रही।

वरिष्ठ वर्ग नारा लेखन में दशमी कक्षा की छात्रा नैन्सी जिला भर में दूसरे स्थान पर रही। पेंटिंग प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में नवमी कक्षा की छात्रा राधिका ठाकुर ने जिला भर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

मुख्याध्यापक श्री मनोज कुमार ठाकुर जी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को बधाई दी। इन विद्यार्थियों ने जिला भर में राजकीय उच्च पाठशाला लुहारडा का नाम रोशन किया स्स्ष्ट प्रधान श्री मनोहर लाल ठाकुर जी ने इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार की सराहना की और उन्हें बधाई दी।

बंदला धार में सजी कला और साहित्य की महफिल, कल्याण कला मंच की बहुभाषी संगोष्ठी संपन्न

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)– कल्याण कला मंच बिलासपुर की मासिक बहुभाषी एवं बहुरंगी कला कलम संगोष्ठी बंदला धार की मनोरम वादियों में आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 40 कलाकारों, कवियों, साहित्यकारों और गायकों ने भाग लेकर अपनी रचनाओं और प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता मंच के निदेशक सुरेंद्र मिन्हास ने की, जबकि संचालन महासचिव बाबू राम धीमान ने किया। कार्यक्रम में जिला भाषा अधिकारी नीलम चंदेल, चेतना संस्था बीजेपुर के निदेशक अरुण गौतम, बीएसएफ सहायक कमांडेंट नीरज शर्मा तथा सेवानिवृत्त संयुक्त शिक्षा निदेशक सुशील पुंडीर 'परिंदा' विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ घुमारवीं के लश्करी राम द्वारा भजन प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद विभिन्न कवियों, साहित्यकारों और कलाकारों ने कविता, गीत, गजल, लोकगीत तथा हास्य रचनाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। रामपाल डोगरा, सुमन चड्ढा, बुद्धि सिंह, गायत्री शर्मा, जीतराम सुमन, नरेंद्र दत्त शर्मा, कौशल्या देवी, रविंदर कमल चंदेल, उपासना, बीर सिंह चंदेल, सरस्वती शर्मा, नीरज शर्मा, सुशील पुंडीर, राकेश मनहास, जगदीश सहोता, प्रतिभा शर्मा, अमरनाथ धीमान, विजय कुमारी सहगल, बीना वर्धन, अनीता शर्मा, प्रियंता शर्मा और प्रणव सहित अनेक रचनाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी।

आयोजक रविंदर कुमार शर्मा ने हिमाचल की प्राकृतिक सुंदरता पर आधारित रचना प्रस्तुत की, जबकि अध्यक्षीय संबोधन में सुरेंद्र मिन्हास ने लोक संस्कृति और पहाड़ी बोली की महत्ता को रेखांकित किया।

समापन अवसर पर जिला भाषा अधिकारी नीलम चंदेल ने कल्याण कला मंच द्वारा साहित्य, लोकभाषा और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने मंच को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संगोष्ठी सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक मंच पर मजबूत की भारत की प्रतिष्ठा : जयराम ठाकुर

मंडी में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में बोले पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष ,कहा, वर्तमान कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को गलत नीतियों से दो दशक पीछे धकेला

» प्रथम न्यूज । चंबा
15 जून (एएम नाथ)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधान सेवक के रूप में लोकसेवा के ऐतिहासिक एवं रिकॉर्ड कार्यकाल के अवसर पर सोमवार को मंडी के मुख्यमंत्री संवाद कक्ष में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा के पूर्व सदस्य दुष्यंत कुमार गौतम के साथ हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने विशेष रूप से शिरकत की। इस समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह अभूतपूर्व कार्यकाल भारत के स्वर्णिम काल के रूप में इतिहास के पन्नों में सदैव स्वर्ण अक्षरों में स्मरण किया जाएगा। मोदी जी ने देश की स्थापित राजनीति को एक नई सकारात्मक दिशा प्रदान की है, जहां राजनीति का आधार केवल खोखली घोषणाएं करना नहीं बल्कि धरातल पर संकल्पों की सिद्धि और जनसेवा के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता है। उनकी सरकार ने देश से तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण के महान मंत्र को आत्मसात करते हुए समाज के प्रत्येक पिछड़े, वंचित और शोषित वर्ग के कल्याण को सर्वोपरि प्राथमिकता दी है। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिष्ठा, मान–सम्मान और कूटनीतिक प्रभाव को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया है। देश में आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे दूरगामी अभियानों और आधुनिक आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के निरंतर विस्तार ने देश की विकास यात्रा को एक नई और तीव्र गति प्रदान की है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के अवसर और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कड़ाई से लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं का आज देश के करोड़ों–करोड़ देशवासियों के जीवन पर अत्यंत सकारात्मक एवं क्रांतिकारी प्रभाव स्पष्ट रूप से पड़ा है। इसके साथ ही विदेश नीति के क्षेत्र में भी भारत ने वैश्विक पटल पर अपनी सशक्त और संप्रभु उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे आज पूरा विश्व भारत को एक बेहद भरोसेमंद, सामर्थ्यवान एवं प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में देख रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह सेवाकाल उनके दूरदर्शी नेतृत्व, निर्णायक कार्यशैली और राष्ट्र प्रथम की अडिग भावना का जीवंत प्रतीक है। विकसित भारत के वृहद संकल्प को साकार करने की दिशा में उनका यह अद्वितीय नेतृत्व देश को प्रगति की नई ऊंचाइयों की ओर निरंतर ले जा रहा है। उन्होंने अतीत को याद किया कि हमारी कई पुरानी पीढ़ियां देश के विकास और बुनियादी अधिकारों के लिए केवल संघर्ष करती ही रह गईं, जबकि हमारी यह खुशकिस्मत पीढ़ी है जिसने बीते 12 वर्षों के दौरान देश हित में ऐतिहासिक फैसले होते भी देखे और उन्हें पूरी ताकत के साथ मूर्तरूप लेते हुए भी देखा है। यह सब ऐतिहासिक बदलाव तभी संभव हो सका जब देश को एक अत्यंत मजबूत, ईमानदार और साहसी नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में प्राप्त हुआ। यह सब उस तीव्र जनभावना के कारण संभव हुआ जो कांग्रेस के वर्ष 2004 से लेकर 2014 तक के लगातार दस वर्षों के घोर कुशासन, भ्रष्टाचार और नीतिगत पंगुता से पूरी तरह तंग आ चुकी थी। उस समय देश में परिवर्तन की एक जबरदस्त लहर उठी और मजबूत नेतृत्व के रूप में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री जो पूर्व में हमारे छोटे से पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के संगठनात्मक प्रभारी भी रह चुके थे नरेंद्र मोदी जी के रूप में देश को एक तारणहार मिला। नरेंद्र मोदी ने उसी जनभावना का पूरा सम्मान करते हुए देशहित में अनेक जनप्रिय और जनकल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए। आज सरकार के कार्यों और प्रधानमंत्री की अगाध लोकप्रियता का ही यह ऐतिहासिक परिणाम है कि देश की जागरूक जनता ने उन पर अटूट विश्वास जताते हुए उन्हें लगातार तीसरी बार देश की सत्ता सौंपी है। जनता आज भी उन्हें फिर से इसी प्रकार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है ताकि भारत, जो वर्ष 2014 तक वैश्विक आर्थिकी में 11वें पायदान पर खिसक गया था, उसे अब विश्व में पहले स्थान पर पहुंचाया जा सके और यह महान लक्ष्य वर्ष 2047 का है, जब भारत अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा और एक पूर्ण विकसित राष्ट्र के रूप में वैश्विक मंच पर गर्व से खड़ा होगा। हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि हमने हालिया पंचायत चुनावों में शानदार जीत दर्ज कर कांग्रेस पार्टी को पूरी तरह से जमीन सुंघा दी है, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह सिर्फ एक छोटा सा पड़ाव है, जबकि हमारा असली और बड़ा लक्ष्य वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव है, जब हिमाचल प्रदेश में भारी और प्रचंड बहुमत के साथ पुन: भारतीय जनता पार्टी अपनी पूर्ण सरकार बनाएगी। उन्होंने जनता और कार्यकर्ताओं को पूर्ण विश्वास दिलाया कि जब राज्य और केंद्र में पुन: डबल इंजन की सरकार होगी, तो प्रदेश का विकास दोगुनी तेजी से होगा, क्योंकि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इस पहाड़ी प्रदेश को अपने कुशासन, अंतर्विरोधों और गलत नीतियों से दो दशक पीछे धकेल दिया है, जिसका खामियाजा उन्हें इन चुनावों में करारी हार के रूप में भुगतना पड़ा है। इस अवसर पर सदर मंडी के विधायक अनिल शर्मा, बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी, द्रंग के विधायक पूर्ण चंद ठाकुर, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा तथा भाजपा जिलाध्यक्ष निहाल चंद सहित भारी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. शांडिल ने नवनिर्वाचित प्रधान व उप प्रधानों को दिलाई शपथ

» प्रथम न्यूज । सोलन
15 जून (बी.शर्मा)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि ज़िला सोलन के ग्रामीण विकास सामाजिक प्रगति एवं सुशासन की दिशा तय करेंगे। डॉ. शांडिल आज यहां नवनिर्वाचित प्रधान व उप–प्रधानों को शपथ दिलवाने के उपरांत उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. शांडिल ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को शपथ दिलवाने के उपरांत बधाई देते हुए कहा कि ज़िला सोलन की जनता ने प्रतिनिधियों पर अपना विश्वास व्यक्त किया है और जन सेवा का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित प्रतिनिधि हजारों नागरिकों की आशाओं, अपेक्षाओं और विश्वास का प्रतीक है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं लोकतंत्र की आधारशिला है। यह संस्थाएं जनता एवं प्रशासन के मध्य सेतु के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है बल्कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने की सतत प्रक्रिया है। जनप्रतिनिधि का मूल्यांकन उनके कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों, उनकी ईमानदारी, पारदर्शिता और जन सेवा की भावना से होता है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि सभी मिलकर संकल्प लें कि सोलन ज़िला की प्रत्येक पंचायत को विकास, सुशासन, स्वच्छता, पारदर्शिता और जन भागीदारी का आदर्श बनाएंगे तथा हिमाचल प्रदेश ग्रामीण विकास क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज का आधार मज़बूत स्वास्थ्य सेवाएं और सक्षम मानव संसाधन होते है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ करने और युवाओं को रोज़गार के अधिक अवसर उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों द्वारा नशाबंदी पर लघु नाटिका तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्धियों पर आधारित गीत–संगीत के माध्यम से विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कसौली विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद सुल्तानपुरी तथा नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरदीप सिंह बावा ने इससे पूर्व नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई दी तथा अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया तथा अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। हिमाचल प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम के उपाध्यक्ष अनुराग शर्मा, खण्ड कांग्रेस समिति सोलन के अध्यक्ष मनीष ठाकुर, पुलिस अधीक्षक सोलन तिरुमलाराजू एस.डी. वर्मा, ज़िला पंचायत अधिकारी जोगिन्द्र राणा, ज़िला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित रंजन तलवार, ज़िला विकास अधिकारी रमेश शर्मा, ज़िला सोलन के समस्त खंड विकास अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मिंजर मेले में हिमाचली कलाकारों को मिलेगा अधिक मंच, व्यवस्थाओं पर प्रशासन सतर्क

मिंजर मेला 2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक, 26 जुलाई से 2 अगस्त तक होगा आयोजन

» प्रथम न्यूज । चंबा
15 जून (एएम नाथ)

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मिंजर मेला–2026 की तैयारियों और विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए सोमवार को जिला मुख्यालय चंबा के बचत भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने की। इस दौरान मेले के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं और कार्य प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, आय–व्यय प्रबंधन, निमंत्रण पत्र एवं स्मारिका प्रकाशन, परिवहन, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, खेलकूद प्रतियोगिताओं, चौगान मैदान के रखरखाव, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति, साफ–सफाई, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं सहित कला केंद्र और मंजरी गार्डन में आवश्यक मरम्मत कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि मिंजर मेला जिला चंबा की पहचान, गौरव और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यह मेला केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जिले की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक सौहार्द का परिचायक भी है। उन्होंने कहा कि मेले के मूल स्वरूप और सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने–अपने दायित्वों का गंभीरता और ईमानदारी से निर्वहन करते हुए यह सुनिश्चित करें कि मेले के दौरान किसी प्रकार की व्यवस्था संबंधी कमी न रहे। उन्होंने विशेष रूप से स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने तथा हिमाचली कलाकारों को अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने जिला वासियों को मिंजर मेले की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं। विधायक नीरज नैय्यर ने बैठक में सरस मेले के आयोजन तथा बालू (भगोत) क्षेत्र के समीप अस्थायी पार्किंग सुविधा विकसित करने की संभावनाओं पर विचार करने का सुझाव दिया। कार्यकारी उपायुक्त अमित मैहरा ने जानकारी दी कि परंपरा के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेला इस वर्ष 26 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक चौगान नंबर–1 में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान कला केंद्र में आठ सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन होगा। इनमें अंतिम सांस्कृतिक संध्या मध्यरात्रि 12 बजे तक चलेगी, जबकि अन्य सात कार्यक्रम रात्रि 10 बजे तक संपन्न कर दिए जाएंगे। उपायुक्त ने विभिन्न उपसमितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों और तैयारियों की विस्तृत जानकारी भी बैठक में प्रस्तुत की।

चम्बा में 10वीं राज्य स्तरीय मेगा आपदा मॉक ड्रिल आयोजित

भूकंप, भूस्खलन, बादल फटने व सड़क दुर्घटना जैसी आपदाओं से निपटने की तैयारियों का हुआ व्यापक परीक्षण

» प्रथम न्यूज । चंबा
15 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आज जिला चंबा में 10वीं राज्य स्तरीय मेगा आपदा मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य भूकंप, भूस्खलन, बादल फटने तथा सड़क दुर्घटना जैसी संभावित आपदाओं के दौरान विभिन्न विभागों एवं आपदा प्रतिक्रिया एजेंसियों की तत्परता, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण एवं मूल्यांकन करना था। मॉक ड्रिल के अंतर्गत प्रात: 9 बजे रिक्टर पैमाने पर 8.0 तीव्रता के भूकंप की काल्पनिक स्थिति तैयार की गई।

इसके परिणामस्वरूप जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भवनों के क्षतिग्रस्त होने, भूस्खलन, बादल फटने तथा बस दुर्घटना जैसी आपात परिस्थितियों के परिदृश्य निर्मित किए गए।

तत्पश्चात जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को सक्रिय करते हुए सभी संबंधित विभागों एवं एजेंसियों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किए गए।अभ्यास के दौरान जिला विकास कार्यालय चंबा, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मैहला, चंबा–जोत मार्ग पर मंगला के समीप भूस्खलन स्थल, चंबा–तीसा मार्ग पर गत्ति घार के निकट भूस्खलन एवं बस दुर्घटना स्थल, बैरागढ़, सलूणी बाजार तथा पांगी क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर आपदा प्रबंधन संबंधी गतिविधियों का सफल संचालन किया गया। मॉक ड्रिल में पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, होमगार्ड, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, हिमाचल पथ परिवहन निगम, स्वयंसेवी संगठनों तथा अन्य सहयोगी एजेंसियों ने सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की। विभिन्न स्थलों पर कुल 23 मृतकों, 46 घायलों तथा 130 से अधिक लोगों के सुरक्षित बचाव का काल्पनिक परिदृश्य तैयार कर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, चंबा में अस्पताल की क्षमता 50 बिस्तरों से बढ़ाकर 100 बिस्तरों तक विस्तारित की गई। घायलों को प्राथमिक उपचार सहित आवश्यक चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई तथा खोज एवं बचाव अभियान का सफल संचालन किया गया।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के इंसिडेंट कमांडर ने कहा कि इस प्रकार की मॉक ड्रिल आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा उपलब्ध संसाधनों एवं प्रतिक्रिया तंत्र की प्रभावशीलता का परीक्षण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने अभ्यास में भाग लेने वाले सभी विभागों, सुरक्षा बलों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे अभ्यासों के माध्यम से जिला आपदा प्रबंधन तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा।

मॉक ड्रिल का समापन विस्तृत समीक्षा एवं डी–ब्रीफिंग सत्र के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

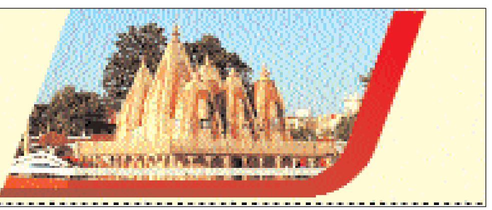

हरियाणा सरकार रोहतक आगजनी से पीड़ित परिवारों और व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ी - मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी

मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये तथा प्रभावित व्यापारियों को मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल आर्थिक सहायता देने की घोषणा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

16 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रोहतक के डी-पार्क क्षेत्र में गत 9 जून को हुई भीषण आगजनी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने प्रभावित बाजार का दौरा कर दुकानदारों से संवाद किया तथा दुकानों को हुए नुकसान का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने आगजनी में मृतक अमन कुमार पुत्र जगदीश, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आग से भारी नुकसान झेलने वाले प्रतिष्ठानों को भी मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल सहायता दी जाएगी।

दौरे के उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रेस प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ए सी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और अनेक प्रतिष्ठानों को अपनी चपेट में ले लिया। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस दुखद घटना में अमन कुमार, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार की मृत्यु हुई है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए परमपिता परमात्मा से अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

सरकार पीड़ित परिवारों व व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ी है : श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार भीषण आगजनी के पीड़ित परिवारों और व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की क्षति की भरपाई संभव नहीं है, फिर भी राज्य सरकार पीड़ित परिवारों और प्रभावित व्यापारियों की हर संभव सहायता करेगी। श्री सैनी ने घोषणा की कि आगजनी में मृतक अमन कुमार पुत्र जगदीश, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। आग से भारी नुकसान झेलने वाले प्रतिष्ठानों को भी मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल सहायता दी जाएगी। सरकार द्वारा इस घटना में हुए नुकसान की पूरी भरपाई की कोशिश की जायेगी।

दुकानों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए भी मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल दी जायेगी आर्थिक सहायता : मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस घटना में प्रभावित दिल्ली शूज के संचालक अमरजीत सिंह पुत्र रामप्रकाश को 5 लाख रुपये, रोहतक शूज कंपनी के संचालक सतीश कुमार पुत्र भूप सिंह को 5 लाख रुपये, शूज प्लाजा से गीता रानी पत्नी जय किशन को 5 लाख रुपये, रीगल शूज से इंदु जुनेजा पत्नी राजेश जुनेजा को 5 लाख रुपये, शिव जनरल स्टोर के नवनीत जुनेजा पुत्र हरीश कुमार को 5 लाख रुपये, बिंदु जनरल स्टोर के संचालक देशबंधु जैन पुत्र प्रकाशचंद जैन को 5 लाख रुपये, फुटलुक फुटवेयर के संचालक अशोक कुमार जैन को 5 लाख रुपये तथा कैलाश बूट हाउस के संचालक प्रियांशु कालड़ा पुत्र कैलाशचंद को 5 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

घटना में प्रभावित रेहड़ी-फड़ी वालों की भी की जायेगी पूरी मदद : श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आनंद फ्रूट जूस की संचालिका मीना कुमारी पत्नी टेकचंद तथा सहगल फ्रूट जूस के संचालक मुकेश पुत्र अशोक कुमार को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेहड़ी एवं छोटे कारोबारियों को भी राहत प्रदान की जाएगी। अन्नपूर्णा भोजनालय (रेहड़ी रोटी परांठा) को 50 हजार रुपये, किचन ऑन व्हील्स के संचालक गौरव पुत्र सतीश कुमार को 50 हजार रुपये तथा क्लॉथ खोखा एवं नारियल पानी के संचालक नीरज पुत्र दर्शन सिंह को 50 हजार रुपये की सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग (यूएलबी) द्वारा आगजनी से हुए नुकसान का विस्तृत आकंलन किया जा रहा है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद राज्य सरकार अतिरिक्त सहायता और मुआवजे के संबंध में भी आवश्यक निर्णय लेगी, ताकि प्रभावित व्यापारियों को अधिकतम राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि यह एक पुराना बाजार है और ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए सतर्कता आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भी आवश्यक उपाय किए जाएंगे।

जिला के प्रशासनिक अधिकारी व फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने के लिए किया सराहनीय कार्य : मुख्यमंत्री ने फायर ब्रिगेड विभाग, प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि आग लगने के तुरंत बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने लगभग छह से सात घंटे तक लगातार प्रयास कर आग पर काबू पाया। जब तक आग पूरी तरह नियंत्रित नहीं हुई, तब तक प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर डटी रहीं।

मुख्यमंत्री ने आगजनी की घटना में जान गंवाने वालों के घर जाकर किया शोक व्यक्त और शोक संतप्त परिजनों को बंधाया ढांढस

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्थानीय डी पार्क पर गत 9 जून को हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वाले तीनों व्यक्तियों अमन, रोहित खुराना व कपिल कुमार के निवास स्थान पर पहुंचकर गहरा दुख प्रकट किया और शोक संतप्त परिवारों को ढांढस बंधाया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर, विधायक महंत बालक नाथ, उपायुक्त सचिन गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने चंडीगढ़-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस को मथुरा-वृंदावन तक विस्तारित करने की मांग उठाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

15 जून (पुनीत महाजन)

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और रेल संपर्क को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को पत्र लिखकर चंडीगढ़-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस को मथुरा-वृंदावन तक विस्तारित करने की संभावनाओं पर विचार करने का अनुरोध किया है।

मेयर ने अपने पत्र में बताया कि ट्रेन संख्या 12046 चंडीगढ़-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस प्रतिदिन लगभग दोपहर 3-15 बजे नई दिल्ली पहुंचती है और वापसी यात्रा शुरू करने से पहले करीब चार घंटे तक वहीं खड़ी रहती है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस उपलब्ध समय का बेहतर उपयोग करते हुए ट्रेन को मथुरा-वृंदावन तक चलाया जा सकता है और फिर वापस नई दिल्ली लाकर चंडीगढ़ के लिए रवाना किया जा सकता है। सौरभ जोशी ने कहा कि चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश से हजारों श्रद्धालु, वरिष्ठ नागरिक और पर्यटक पूरे वर्ष भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा और वृंदावन की यात्रा करते हैं। वर्तमान में इन धार्मिक स्थलों के लिए सीधी रेल सेवा उपलब्ध न होने के कारण यात्रियों को दिल्ली में ट्रेन बदलनी पड़ती है या फिर सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ता है, जिससे उन्हें अतिरिक्त समय और असुविधा का सामना करना पड़ता है।

मेयर ने कहा कि यदि शताब्दी एक्सप्रेस को मथुरा-वृंदावन तक विस्तारित किया जाता है तो यात्रियों को सीधी, आरामदायक और समय की बचत करने वाली यात्रा सुविधा मिलेगी। साथ ही रेलवे के मौजूदा संसाधनों का भी अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव धार्मिक पर्यटन को नई गति देगा, क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करेगा तथा श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की पावन भूमि तक सुगम और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराएगा। मेयर ने आशा व्यक्त की कि रेल मंत्रालय और रेलवे बोर्ड जनहित को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे तथा इसकी व्यवहारिकता का विस्तृत अध्ययन करवाएंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव को क्षेत्र के निवासियों और श्रद्धालुओं से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। लोगों का मानना है कि मथुरा-वृंदावन के लिए सीधी शताब्दी रेल सेवा शुरू होना रेल संपर्क और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

सौरभ जोशी ने दोहराया कि वे जनसुविधाओं में सुधार, बेहतर संपर्क व्यवस्था और क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े मुद्दों को लगातार आगे बढ़ाते रहेंगे।

चंडीगढ़ सेक्टर-36 के विकास को मिली नई रफ्तार, जसबीर सिंह बंटी के पहल और प्रयासों से शुरू हुआ पेवर ब्लॉक नवीनीकरण कार्य

चंडीगढ़ के सभी पार्कों के बाहर लगाए जाएंगे उच्च गुणवत्ता वाले नए पेवर ब्लॉक, क्षेत्रवासियों ने जताया आभार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

15 जून (पुनीत महाजन)

सेक्टर-36 के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए नगर निगम चंडीगढ़ ने सेक्टर के विभिन्न पार्कों के बाहर पेवर ब्लॉक लगाने एवं मरम्मत कार्य का शुभारंभ कर दिया है। इस विकास कार्य के शुरू होने पर क्षेत्रवासियों ने एरिया पार्षद एवं पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी का आभार व्यक्त करते हुए इसे सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

सेक्टर-36 रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान मेजर जनरल सी.एस. बबली ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्कों के बाहर लगे अधिकांश पेवर ब्लॉक लंबे समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में थे, जिससे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को आवाजाही में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या के समाधान के लिए श्री जसबीर सिंह बंटी ने लगातार नगर निगम अधिकारियों के समक्ष मामला उठाया और कई बार मौके का निरीक्षण कर कार्य को प्राथमिकता देने की मांग की।

उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत सेक्टर के सभी पार्कों के बाहर 70-30 के अनुपात में पुराने पेवर ब्लॉकों की मरम्मत और नए ब्लॉकों की स्थापना की जाएगी।

क्षतिग्रस्त एवं टूटे हुए ब्लॉकों को हटाकर उनकी जगह उच्च गुणवत्ता वाले नए पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे, जिससे पार्कों के आसपास का वातावरण अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और आकर्षक बनेगा।

मेजर जनरल सी.एस. बबली ने कहा कि जसबीर सिंह बंटी हमेशा क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय रहते हैं। उनकी निरंतर मेहनत, जनहित के प्रति प्रतिबद्धता और प्रशासन के साथ लगातार समन्वय के चलते यह महत्वपूर्ण कार्य शुरू हो पाया है।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद पार्कों में आने वाले वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों और अन्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही सेक्टर-36 की सुंदरता और आधारभूत ढांचे में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा।

क्षेत्रवासियों ने जसबीर सिंह बंटी तथा नगर निगम प्रशासन का धन्यवाद करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी सेक्टर-36 के विकास और जनकल्याण से जुड़े कार्य इसी प्रकार प्राथमिकता के आधार पर जारी रहेंगे, जिससे क्षेत्र को एक आदर्श एवं सुविधाजनक आवासीय क्षेत्र के रूप में और अधिक विकसित किया जा सके।

पुरुष स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह

पुरुषों को प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को प्राथमिकता देनी चाहिए : एक्सपर्ट

चंडीगढ़ (जगमीत घुम्मन)- पुरुष अक्सर डॉक्टर से सलाह लेने में कम रुचि दिखाते हैं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के गंभीर होने तक लक्षणों को नजरअंदाज करते रहते हैं। प्रोस्टेट का बढ़ना, किडनी की पथरी, यूरिनरी ट्रैक्ट की समस्याएं और प्रोस्टेट कैंसर जैसी कई आम यूरोलॉजिकल बीमारियों का शुरुआती दौर में पता चलने पर प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है। सोमवार को पुरुष स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह के मौके पर बोलते हुए, मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली में यूरोलॉजी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर, डॉ एमएस रंधावा ने कहा कि पुरुषों की स्वास्थ्य देखभाल में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बीमारी का देर से पता चलना है। उन्होंने बताया कि कई पुरुष पेशाब करने में कठिनाई, बार-बार पेशाब आना, पेशाब में खून आना या लगातार बेचैनी जैसे लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि शुरुआती जांच और नियमित हेल्थ चेक-अप से स्वास्थ्य संबंधी संभावित समस्याओं को गंभीर रूप लेने से पहले ही पहचाना जा सकता है। डॉ रंधावा ने सलाह दी कि प्रोस्टेट स्वास्थ्य की नियमित जांच और समय पर डॉक्टरी सलाह पुरुषों के बेहतर दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

उन्होंने कहा कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त पानी पीना और तंबाकू के सेवन से परहेज करके स्वस्थ जीवन शैली अपनाने से कई स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

डॉ रंधावा की राय में, 40 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों को नियमित स्वास्थ्य जांच करवानी चाहिए और कोई भी असामान्य लक्षण दिखने पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों से सलाह लेनी चाहिए।

मेयर सौरव जोशी ने मेगा डीप क्लीनिंग अभियान से पहले चंडीगढ़ सेक्टर-15 का किया व्यापक निरीक्षण

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

15 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ नगर निगम द्वारा 16 जून से शुरू किए जा रहे वार्ड-वाइज मेगा डीप क्लीनिंग अभियान की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मेयर सौरभ जोशी ने आज सेक्टर-15 के रिहायशी और बाजार क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं और रखरखाव संबंधी आवश्यकताओं का आकलन कर अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करना था।

इस दौरान मेयर के साथ नगर निगम के संयुक्त आयुक्त बलबीर राज सिंह, दोनों अधीक्षण अभियंता, संबंधित कार्यकारी अभियंता, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान मेयर ने सेक्टर के विभिन्न हिस्सों में स्वच्छता व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाओं और रखरखाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि डीप क्लीनिंग अभियान की सूक्ष्म योजना बनाकर उसका प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान आवश्यक मशीनरी, उपकरणों और पर्याप्त मानव संसाधन की तैनाती की जाए ताकि क्षेत्र में स्वच्छता और जनसुविधाओं में स्पष्ट एवं स्थायी सुधार दिखाई दे। सौरभ जोशी ने कहा कि नगर निगम का यह विशेष अभियान शहरवासियों को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत सफाई व्यवस्था, सड़कों की झाड़ू सफाई, बागवानी रखरखाव, पेड़ों की छंटाई, फुटपाथों की मरम्मत, रोड गलियों और सर्विस लेनों की सफाई एवं मरम्मत, रेलिंगों के रखरखाव तथा विद्युत ढांचे से संबंधित कार्यों को व्यापक रूप से शामिल किया जाएगा।

मेयर ने कहा कि नगर निगम चंडीगढ़ शहर के सभी वार्डों में स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर एवं परिणामोन्मुखी प्रयास कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा किया जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मेगा डीप क्लीनिंग अभियान शहर की स्वच्छता व्यवस्था को नई दिशा देगा और नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त न्यूज

रामवीर भट्टी
प्रदेश महामंत्री
भारतीय जनता पार्टी चण्डीगढ़
Ref.No :0007/BJP/2026
Date : 14/06/2026

संगठनात्मक नियुक्ति

प्रदेश अध्यक्ष श्री जतिंदर पाल मल्होत्रा जी की सहमति से, मैं भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश के निम्नलिखित मोर्चों के लिए मोर्चा प्रभारियों की नियुक्ति की घोषणा करता हूँ।

विवरण इस प्रकार है:

क्र.	मोर्चा	नाम
1	अल्पसंख्यक मोर्चा	श्री चन्द्रशेखर
2	एससी मोर्चा	श्री नरेश अरोड़ा
3	महिला मोर्चा	श्री मनीष शर्मा
4	युवा मोर्चा	श्री रमेश सहोड़

उपरोक्त सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

रामवीर भट्टी

भाजपा ने चंडीगढ़ में मोर्चा प्रभारी किए नियुक्त

चन्द्रशेखर को सौंपा अल्पसंख्यक मोर्चा का जिम्मा

चंडीगढ़ (सुरेंद्र चौहान)- भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ प्रदेश संगठन ने विभिन्न मोर्चों के लिए नए मोर्चा प्रभारियों की नियुक्ति की घोषणा की है। प्रदेश महामंत्री रामबीर भट्टी ने प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा की सहमति से इन नियुक्तियों की जानकारी जारी की।

जारी संगठनात्मक नियुक्ति आदेश के अनुसार अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी श्री चन्द्रशेखर को बनाया गया है। महिला मोर्चा की जिम्मेदारी श्री नरेश अरोड़ा को सौंपी गई है। इसी प्रकार एससी मोर्चा के प्रभारी के रूप में श्री मनीष शर्मा तथा युवा मोर्चा के प्रभारी के रूप में श्री रमेश सहोड़ की नियुक्ति की गई है।

प्रदेश महामंत्री रामबीर भट्टी ने बताया कि संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा विभिन्न मोर्चों की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से ये नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आदेश के अनुसार सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इन नियुक्तियों का स्वागत करते हुए नवनियुक्त मोर्चा प्रभारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

अवैध बटनदार चाकू रखने वाला तथा चाकू सप्लायर सहित 2 आरोपी काबू

कैथल, 15 जून (कृष्ण गर्ग)- जिला पुलिस द्वारा अपराधियों तथा असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के कुशल नेतृत्व में लगातार अपराधियों पर शिकंजा कसा जा रहा। इसी तहत थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा बस अड्डा के पास से एक आरोपी को अवैध बटनदार चाकू सहित काबू करने के अतिरिक्त त्वरित कार्रवाई दौरान चाकू सप्लायर को भी काबू कर लिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया की पुलिस चौकी बस अड्डा कैथल के इंचार्ज ईएचसी गुरमुख सिंह को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक, जिसका नाम नवीन पुत्र दलीप निवासी नरवल, जिला कैथल है, अपने पास अवैध बटनदार चाकू लेकर घूम रहा है तथा किसी आपराधिक वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना में बताया गया कि युवक हरे, काले व सफेद रंग की शर्ट तथा नीली जींस पहने हुए बस अड्डा क्षेत्र से बाहर निकासी गेट की तरफ पैदल जा रहा है। उक्त सूचना पर थाना सिविल पुलिस के एचसी हरदयाल की टीम ने बस अड्डा कैथल के निकासी गेट के बाहर सड़क पर नाकाबंदी कर संदिग्ध युवक की तलाश शुरू कर दी। युवक की पहचान होने पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए युवक को काबू कर उसका नाम-पता पूछा तो उसने अपनी पहचान नवीन निवासी नरवल के रूप में बताई। पुलिस द्वारा नियमानुसार तलाशी ली गई, जिसके दौरान उसकी पहनी हुई जींस की दाहिनी जेब से एक बटनदार चाकू बरामद हुआ। बरामद चाकू की जांच करने पर पाया गया कि वह बटन दबाकर खुलने वाला चाकू है। युवक से चाकू रखने संबंधी लाइसेंस अथवा अन्य वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। आरोपी द्वारा बिना लाइसेंस बटनदार चाकू रखने पर उसके खिलाफ थाना सिविल लाइन कैथल में मामला दर्ज कर एचसी हरदयाल द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कार लिया। आगामी जांच दौरान खुलासा हुआ की आरोपी को यह चाकू जिला जींद के गांव थुआ निवासी निखिल द्वारा उपलब्ध करवाया गया था। एचसी हरदयाल की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी निखिल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए।

पीओ पकड़ो स्टॉफ द्वारा अलग अलग 2 मामलों में 2 भगोड़े आरोपी काबू

कैथल, 15 जून (कृष्ण गर्ग)- पी.ओ./बेलजंपरो की धरपकड़ के लिए एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार चलाई जा रही मुहिम अंतर्गत पीओ पकड़ो स्टॉफ द्वारा अलग अलग 2 मामले में 2 उद्धघोषित आरोपियों को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पीओ पकड़ो स्टाफ के एएसआई राजकुमार द्वारा आरोपी कक्हेड़ी निवासी सुमित को गिरफ्तार किया गया। आरोपी सुमित पर 25 मार्च 2022 को गांव पिंजुपुरा से एक बाइक चोरी करने का आरोप है। जिस बारे थाना कलायत में मामला दर्ज है। उक्त मामले में आरोपी न्यायालय से जमानत हासिल करने उपरांत न्यायालय में हाजिर नहीं हुआ। जिसे माननीय न्यायालय द्वारा 10 फरवरी 2026 को पीओ घोषित किया था। एक अन्य मामले में एएसआई पवन कुमार द्वारा आरोपी पाई निवासी विकास को गिरफ्तार किया गया। आरोपी माननीय न्यायालय द्वारा वर्ष 2021 दौरान चैक बाउंस मामले में 10 अप्रैल 2026 को पी ओ घोषित किया गया था। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

आज का
संपादकीय

चापलूस व चाटुकार बहुत घातक

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

समाज में सबसे तेजी से फैलने वाली बीमारी का नाम है चापलूसी। चापलूस और चाटुकार देखने में हानिरहित लगते हैं। चेहरा हमेशा मुस्कुराता है, जुबान पर मीठे शब्द होते हैं, हर बात पर हाँ होती है। पर यही लोग सबसे ज्यादा घातक होते हैं। ये न आपके सगे होते हैं, न किसी और के। ये सिर्फ अपने मतलब के सगे होते हैं।

चापलूस वह है जो सच को झूठ और झूठ को सच बना कर पेश करता है, सिर्फ इसलिए कि सामने वाला खुश हो जाए। चाटुकार वह है जो बिना सोचे-समझे हाँ में हाँ मिलाता है। दोनों का एक ही मकसद होता है अपना फायदा। चापलूस आपको वह दिखाता है जो आप देखना चाहते हैं। वह आपकी गलतियों पर पर्दा डालता है, आपकी कमजोरी को ताकत बताता है, आपकी हर बात पर तालियाँ बजाता है। उसका काम आपको एक झूठी दुनिया में रखना है जहाँ आपको लगे कि आप अजेय हैं। चाटुकार इससे एक कदम आगे है। वह आपकी बात को बिना समझे दोहराता है। अगर आप कहें कि रात दिन है तो वह कहेगा जी, चाँद भी निकल आया है।

इनका मकसद रिश्ता नहीं, उपयोग है। आज आपकी स्थिति मजबूत है तो आपके साथ हैं। कल हालात बदल गए तो किसी और के साथ खड़े मिलेंगे। चापलूसी अपने आप नहीं पनपती। इसे हम खुद पनपने का मौका देते हैं। जब इंसान थोड़ी पहचान और इज्जत पा लेता है तो उसे लगता है कि सब कुछ उसके कारण हो रहा है। ऐसे में जो तारीफ करे वह अच्छा लगता है और कड़वा सच कहने वाला बुरा लगने लगता है। धीरे-धीरे सच्चे लोग दूर हो जाते हैं और चापलूस पास आ जाते हैं। कई लोग इसलिए चापलूसी करते हैं क्योंकि उन्हें रिश्ते खोने का डर होता है। उन्हें पता है कि सच बोलेंगे तो नाराजगी झेलनी पड़ेगी। इसलिए सुरक्षित रास्ता चुनते हैं हाँ में हाँ मिलाना। कुछ लोग लालच में ऐसा करते हैं। चापलूसी का सबसे बड़ा इनाम पहुंच और फायदा है। आज जो आपकी तारीफ कर रहा है, कल वही आपके जरिए किसी और तक पहुंच बनाना चाहता है।

चापलूस का कोई चरित्र नहीं होता। उसका चरित्र आपकी स्थिति के साथ बदलता है। आज आप ऊंचे हैं तो वह आपके पैर दबाएगा। कल आप नीचे आ गए तो वही व्यक्ति किसी और के सामने हाथ जोड़े खड़ा मिलेगा। इनके लिए व्यक्ति मायने नहीं रखता, स्थिति मायने रखती है। चापलूस कभी जोखिम नहीं लेता। वह कभी आपके खिलाफ खड़ा नहीं होगा, लेकिन आपके साथ भी नहीं खड़ा रहेगा। मुश्किल वक्त में ये सबसे पहले गायब होते हैं। क्योंकि इनकी वफादारी सुविधा से बंधी है। सुविधा खत्म, वफादारी खत्म। सबसे खतरनाक बात यह है कि चापलूस धीरे-धीरे आपकी सोच को बंधक बना लेता है। आपको लगने लगता है कि पूरी दुनिया आपके साथ है। आप आलोचना सुनना बंद कर देते हैं और जिस दिन आलोचना बंद होती है उसी दिन पतन शुरू होता है।

चापलूस खुद को समझदार समझता है। उसे लगता है कि वह सब समझता है। वह जानता है कि किसे क्या सुनाना है। लेकिन हकीकत में वह सबसे बड़ा कायर होता है। वह सच बोलने की हिम्मत नहीं रखता। उसे डर होता है कि सच बोलेगा तो उसकी जगह कोई और लेगा। इसलिए वह झूठ की खेती करता है। चापलूस का कोई सिद्धांत नहीं होता। आज वह आपके साथ है क्योंकि आप फायदे में हैं। कल अगर आप नुकसान में आ गए तो वही व्यक्ति आपके खिलाफ खड़ा मिलेगा। क्योंकि उसके लिए रिश्ता नहीं, फायदा मायने रखता है।

चापलूस और सच्चे साथी में फर्क करना सीखना जरूरी है। सच्चा साथी वह है जो गलत होने पर आपको टोके। जो कहे यह ठीक नहीं है। भले ही उस वक्त आपको बुरा लगे, लेकिन बाद में समझ आएगा कि उसने आपको बचा लिया। चापलूस आपको कभी नहीं टोकेगा। वह आपकी गलती पर भी ताली बजाएगा। क्योंकि उसे आपकी गलती से फर्क नहीं पड़ता, उसे अपने स्वार्थ से फर्क पड़ता है। इसलिए जो व्यक्ति आपसे सहमत न हो, उसे दुश्मन मत समझिए। हो सकता है वही आपका सबसे बड़ा हितैषी हो।

चापलूसी का नुकसान तुरंत नहीं दिखता। यह धीरे-धीरे होता है, पर जब दिखता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। आसपास भीड़ तो रहती है, पर अपना कोई नहीं रहता। जब मुसीबत आती है तो वही लोग सबसे पहले किनारा कर लेते हैं। जब कोई टोकने वाला नहीं रहता तो इंसान गलत रास्ते पर चल पड़ता है। उसे लगता है सब ठीक है, पर हकीकत में वह गर्त की ओर जा रहा होता है। लोग कहते हैं कि इसके पास ईमानदार लोग टिकते नहीं। इसका मतलब साफ है कि इसमें खुद कोई दम नहीं है। और जब सब खत्म हो जाता है तो समझ आता है कि हमने क्या खो दिया। पर तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

चापलूसी से बचने का एक ही उपाय है अहंकार को मारना। अगर आप मजबूत स्थिति में हैं तो यह समझ लीजिए कि तारीफ स्थिति की होती है, आपकी नहीं। स्थिति बदल जाएगी तो तारीफ भी चली जाएगी। इसलिए उन लोगों को पास रखिए जो आपको आईना दिखाएं। अगर कोई हर बात पर हाँ कह रहा है तो समझ जाइए कि वह सच नहीं बोल रहा। सच्चा व्यक्ति हर बात पर हाँ नहीं कहेगा। अपने आसपास ऐसे लोगों को रखिए जो आपसे डरते न हों। जो सच बोल सकें। भले ही वह संख्या में कम हों, लेकिन वही आपकी असली ताकत हैं। किसी को एक-दो मुलाकात में मत परखिए। वक्त दीजिए। मुश्किल में देखिए। तब पता चलेगा कि कौन अपना है।

चापलूस और चाटुकार इसलिए घातक हैं क्योंकि ये आपको अंदर से खोखला कर देते हैं। आपको लगता है सब ठीक है, पर हकीकत में सब बिगड़ रहा होता है। ये आपको मीठा जहर देते हैं। शुरू में अच्छा लगता है, पर अंत में मार देते हैं। ये न आपके सगे होते हैं, न किसी और के। ये सिर्फ अपने मतलब के सगे होते हैं। आज आप हैं तो आपके साथ हैं। कल कोई और आ गया तो उसके साथ हो जाएंगे।

इसलिए एक बात याद रखिए। तारीफ करने वाला हर आदमी हितैषी नहीं होता। जो सच कड़वा होकर भी कहे, वही आपका सच्चा साथी है। चापलूस और चाटुकार से सावधान रहिए। ये मुस्कुराते हुए आपके पैर के नीचे से जमीन खींच लेते हैं। और जब आप गिरते हैं तो तमाशा देखने वाले बन जाते हैं।

विलुप्त होते घराट : पहाड़ की मौन होती विरासत

बीएस शैट्टी चेत
(शिक्षाविद्)

पहाड़ों का जीवन सदैव प्रकृति के साथ गहरे संबंधों पर आधारित रहा है। यहाँ की संस्कृति, परंपराएँ और जीवनशैली प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करती हैं। इन्हीं परंपराओं में एक महत्वपूर्ण नाम घराट का है। घराट, जिसे जलचालित आटा चक्की भी कहा जाता है, केवल अनाज पीसने का साधन नहीं था, बल्कि यह पहाड़ी समाज की आत्मनिर्भरता, वैज्ञानिक समझ, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक था। कभी पहाड़ों की खड्डों, नालों और छोटी नदियों के किनारे घराटों की मधुर ध्वनि सुनाई देती थी, जो ग्रामीण जीवन की सक्रियता और समृद्धि का संकेत होती थी। आज वही घराट धीरे-धीरे विलुप्ति की ओर बढ़ रहे हैं और उनके साथ ही हमारी एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहर भी इतिहास के अंधेरे पन्नों में खोती जा रही है।

घराट का निर्माण स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर किया जाता था। बहते हुए पानी की शक्ति को एक संकरे मार्ग से लकड़ी या लोहे के पंखों तक पहुँचाया जाता था, जिससे चक्की के पाट घूमते थे और अनाज पिसता था। यह व्यवस्था देखने में सरल अवश्य थी, लेकिन इसके पीछे प्रकृति और विज्ञान की गहरी समझ छिपी हुई थी। जब आधुनिक तकनीक का विकास नहीं हुआ था, तब भी हमारे पूर्वजों ने जल ऊर्जा का उपयोग कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति का एक प्रभावशाली और पर्यावरण-अनुकूल तरीका खोज लिया था। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतीय ग्रामीण समाज केवल परंपराओं का संरक्षक ही नहीं था, बल्कि वैज्ञानिक सोच और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता का भी धनी था।

घराटों का महत्व केवल तकनीकी या आर्थिक दृष्टि से नहीं था। यह ग्रामीण जीवन के सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र भी थे। गाँव के लोग जब अपने खेतों में उगाए गए गेहूँ, मक्की, जौ और अन्य अनाज को पिसवाने के लिए घराट पहुँचते थे, तो वहाँ केवल अनाज नहीं पिसता था, बल्कि आपसी रिश्तों की गर्माहट भी बनी रहती थी। लोग घंटों बैठकर बातचीत करते, खेती-बाड़ी की चर्चा करते, सुख-दुःख साझा करते और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाते थे। इस प्रकार घराट ग्रामीण समाज में सामुदायिक जीवन के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करते थे। आज जब आधुनिक जीवनशैली ने लोगों को एक-दूसरे से दूर कर दिया है, तब घराटों की वह सामाजिक भूमिका और भी अधिक मूल्यवान प्रतीत होती है।

पहाड़ी लोकसंस्कृति में घराटों का विशेष स्थान रहा है। अनेक लोकगीतों, कहानियों और लोककथाओं में घराटों का उल्लेख मिलता है। बहते पानी की कलकल ध्वनि और घराट की घूमती चक्की ग्रामीण जीवन की लय का हिस्सा हुआ करती थी। कई बार घराटों के आसपास लोकगीतों की स्वर लहरियाँ गूँजती थीं, जो प्रकृति और मनुष्य के अद्भुत सामंजस्य को व्यक्त करती थीं। इस प्रकार घराट केवल एक यांत्रिक संरचना नहीं थे, बल्कि लोक संस्कृति के जीवंत प्रतीक भी थे।

आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर ध्यान दे रही है, तब घराटों का महत्व और भी बढ़ जाता है। घराट पूर्णत: पर्यावरण-अनुकूल तकनीक है। इसके संचालन के लिए किसी प्रकार के ईंधन या बिजली की आवश्यकता नहीं होती।

यह केवल बहते हुए पानी की ऊर्जा का उपयोग करता है और पर्यावरण को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुँचाता। कार्बन उत्सर्जन रहित यह प्रणाली सतत विकास की अवधारणा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। आधुनिक मशीनें जहाँ बिजली और अन्य ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर हैं, वहीं घराट प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखते हुए मानव आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

स्वास्थ्य की दृष्टि से भी घराट का विशेष महत्व है। घराट में अनाज धीमी गति से पिसता है, जिससे उसमें मौजूद पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं। आधुनिक मशीनों में अत्यधिक गति के कारण अनाज गर्म हो जाता है, जिससे उसके कुछ पोषक तत्व प्रभावित हो सकते हैं। घराट में पिसे हुए आटे की रोटी का स्वाद, सुगंध और पौष्टिकता अलग ही होती है। यही कारण है कि आज भी अनेक लोग घराट के आटे को अधिक शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक मानते हैं।

इसके बावजूद घराटों का अस्तित्व निरंतर संकट में पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीक और बिजली से चलने वाली चक्कियों के प्रसार ने घराटों की उपयोगिता को कम कर दिया है। आज लोग समय बचाने के लिए आधुनिक मशीनों का उपयोग करना अधिक सुविधाजनक समझते हैं। बड़े-बड़े आटा मिल कम समय में अधिक मात्रा में अनाज पीस देते हैं, जिसके कारण घराटों की ओर लोगों का आकर्षण घट गया है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन भी घराटों के अस्तित्व के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आए हैं।

जिन नालों और खड्डों के जल प्रवाह पर घराट निर्भर थे, उनमें से अनेक सूख चुके हैं या उनका जलस्तर बहुत कम हो गया है। वनों की कटाई, अनियोजित विकास और जल स्रोतों के दोहन ने प्राकृतिक जलधाराओं को प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप अनेक घराट पानी के अभाव में बंद हो गए हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों से युवाओं का पलायन भी घराटों के पतन का एक महत्वपूर्ण कारण है। आज की युवा पीढ़ी आधुनिक शिक्षा और रोजगार के अवसरों की तलाश में शहरों की ओर जा रही है। पारंपरिक व्यवसायों और लोक तकनीकों में उनकी रुचि लगातार कम होती जा रही है।

घराटों के रखरखाव और संचालन के लिए जिस समर्पण और धैर्य की आवश्यकता होती है, वह आधुनिक जीवन की भागदौड़ में कहीं खो गया है। परिणामस्वरूप अनेक घराट उपेक्षा का शिकार होकर जर्जर अवस्था में पहुँच गए हैं।

घराटों के विलुप्त होने से केवल एक तकनीक समाप्त नहीं हो रही, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृतियाँ भी खो रही हैं। इनके साथ वह पारंपरिक ज्ञान भी समाप्त हो रहा है जो पीढ़ियों से हस्तांतरित होता आया था। घराटों का निर्माण, संचालन और रखरखाव अपने आप में एक विशिष्ट कला थी। यदि यह परंपरा समाप्त हो गई तो भविष्य की पीढ़ियाँ इस ज्ञान से वंचित हो जाएँगी।

आज आवश्यकता इस बात की है कि घराटों को केवल अतीत की वस्तु मानकर न छोड़ा जाए, बल्कि उन्हें भविष्य की संभावनाओं से भी जोड़ा जाए। ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में घराट महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज अनेक पर्यटक पारंपरिक जीवनशैली और स्थानीय संस्कृति को निकट से जानना चाहते हैं। यदि घराटों का संरक्षण किया जाए और उन्हें पर्यटन गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो यह स्थानीय लोगों के लिए आय का नया स्रोत भी बन सकते हैं। पर्यटक घराट में अनाज पीसने का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं और पहाड़ी संस्कृति की वास्तविक झलक देख सकते हैं।

सरकार, समाज और स्थानीय समुदायों को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने होंगे। घराटों का सर्वेक्षण कर उनकी सूची तैयार की जानी चाहिए। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण घराटों को संरक्षित धरोहर घोषित किया जाना चाहिए। इनके संरक्षण और मरम्मत के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में स्थानीय विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए ताकि युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ सके।

वास्तव में घराट केवल पत्थरों, लकड़ियों और पानी से बनी एक संरचना नहीं है। यह पहाड़ की आत्मा, ग्रामीण जीवन की लय, प्रकृति के प्रति सम्मान और आत्मनिर्भरता की भावना का जीवंत प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि विकास केवल आधुनिक मशीनों और ऊँची इमारतों का नाम नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों, परंपराओं और प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

यदि हम आज घराटों को बचाने का प्रयास नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ उनसे जुड़ी कहानियाँ तो सुनेंगी, पर उनकी वास्तविक अनुभूति कभी नहीं कर पाएँगी। इसलिए यह समय केवल चिंता करने का नहीं, बल्कि संरक्षण और संवर्धन के ठोस प्रयास करने का है। घराटों को बचाना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि प्रकृति और परंपरा के प्रति हमारी कृतज्ञता का भी प्रतीक है। जब तक पहाड़ों में बहते जल की धारा और लोकजीवन की संवेदनाएँ जीवित हैं, तब तक घराटों की स्मृति भी जीवित रहनी चाहिए, क्योंकि घराट केवल एक चक्की नहीं, बल्कि पहाड़ की धड़कन हैं।

भविष्य की दिशा में बढ़ती भारतीय रेल

पिछले दिनों पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल का सीमित और समझदारी से इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा दें और जहां निजी वाहन की जरूरत हो वहां कारपूलिंग अपनाई जाए। उन्होंने कहा कि हमें विदेशी मुद्रा बचानी होगी।

प्रधानमंत्री की अपील का जनता पर कितना असर पड़ा यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन भारतीय रेल द्वारा विद्युतीकरण मुहिम के जरिये डीजल की बचत की जा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रेल ने विद्युतीकरण के जरिये 185 करोड़ किलो लीटर डीजल बचाया। यह मात्रा देश की कुल चार दिन की डीजल की मांग के बराबर है। सबसे बड़ी बात यह है कि विद्युत कर्षण (रेल के पहियों को खींचने में लगने वाली ऊर्जा) पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ डीजल ट्रैक्शन की तुलना में 70 प्रतिशत किफायती भी है।

उल्लेखनीय है कि 2014 से पहले देश में मात्र 21,801 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने रेल विद्युतीकरण को प्राथमिकता दी। तत्कालीन रेल मंत्री के निर्देशन में रेल विद्युतीकरण मिशन शुरू किया गया। इस मिशन का लक्ष्य रेलवे के पूरे नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण करना है।

रेलवे ने यह मिशन डीजल इंजनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने और ट्रेनों की सामान्य गति को बढ़ाने के लिए तैयार की है। डीजल इंजनों की कार्यक्षमता काफी कम होती है और इन्हें चलाने में बहुत लागत आती है। मार्च 2026 तक रेलवे के कुल 70,175 किलोमीटर ब्राडगेज नेटवर्क में 69,906 किलोमीटर नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। अर्थात कुल ब्राडगेज नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकृत किया जा चुका है।

अब मात्र 269 किलोमीटर रेलवे नेटवर्क ऐसा है, जिसका विद्युतीकरण किया जाना बाकी है। जिन राज्यों में रेल विद्युतीकरण अभी लंबित है, उनमें गोवा, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम और राजस्थान शामिल हैं। गोवा में 91 प्रतिशत, तमिलनाडु में 97 प्रतिशत, कर्नाटक में 97 प्रतिशत, असम में 98 प्रतिशत, राजस्थान में 99 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वर्ष 2014 से पहले देश में प्रतिदिन औसत 1.42 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ।

वहीं रेल विद्युतीकरण मिशन शुरू होने के बाद 2019-2025 में प्रतिदिन औसतन 15 किलोमीटर रेललाइनों का विद्युतीकरण किया गया। 2023-24 में रेल विद्युतीकरण का रिकार्ड बना जब प्रतिदिन औसतन 19.7 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ। यह परिवर्तन भारतीय रेल को अधिक तेज, स्वच्छ और आत्मनिर्भर बनाते हुए नए भारत की विकास रीढ़ को और मजबूत कर रहा है। स्पष्ट है कि 1925 में बांबे वीटी (वर्तमान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) और कुर्ला के बीच हार्बर लाइन पर चली पहली बिजली चालित रेलगाड़ी के 100 वर्ष बाद भारतीय रेल ने शत प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। रेल विद्युतीकरण के मामले में भारत दुनिया की कई अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ चुका है।

कूड़े के ढेरों पर भोजन तलाशने को मजबूर गौवंश, प्लास्टिक खाकर मौत के मुंह में जा रही गौमाता

ट्राइसिटी क्षेत्र में कूड़े के ढेरों पर भोजन तलाश रहे गौवंश की स्थिति पर सामाजिक संगठनों ने गहरी चिंता जताई है। मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय, भारतीय एकता मंच के संस्थापक पुनीत महाजन और अध्यक्ष नरेंद्र जेतक ने कहा कि प्लास्टिक और पॉलीथीन खाने से गौवंश गंभीर बीमारियों और मौत का शिकार हो रहा है। उन्होंने चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली और खरड़ प्रशासन से आवारा पशुओं को सुरक्षित गौशालाओं में पहुंचाने, कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था मजबूत करने तथा गौवंश के लिए भोजन, चिकित्सा और संरक्षण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

शहर और ट्राइसिटी क्षेत्र में गौवंश की दयनीय स्थिति लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली और खरड़ सहित कई क्षेत्रों में गायों और अन्य आवारा पशुओं को कूड़े के ढेरों पर भोजन तलाशते हुए देखा जा सकता है। कूड़े में मौजूद प्लास्टिक, पॉलीथीन, गत्ता और अन्य हानिकारक पदार्थ खाने से गौवंश गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहा है, जिससे उनकी जान पर भी खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति न केवल पशु कल्याण पर गंभीर सवाल खड़े करती है, बल्कि नगर निकायों और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है।

मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय, भारतीय एकता मंच (पंजीकृत) के जनरल सेक्रेटरी एवं संस्थापक पुनीत महाजन तथा अध्यक्ष नरेंद्र जेतक ने इस गंभीर मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और उसके संरक्षण के लिए सरकारें समय-समय पर विभिन्न योजनाएं संचालित करती हैं। गौशालाओं के संचालन और पशु संरक्षण पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद यदि गौवंश सड़कों और कूड़े के ढेरों पर भोजन खोजने को मजबूर है, तो यह व्यवस्था की बड़ी विफलता है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थ खाने से पशुओं के पेट में गंभीर संक्रमण और रुकावटें उत्पन्न होती हैं। पशु चिकित्सकों के अनुसार कई मामलों में ऑपरेशन के दौरान गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकाला गया है। इसके बावजूद स्थिति में कोई बड़ा सुधार देखने को नहीं मिल रहा। हाल के वर्षों में कूड़ा खाने के कारण कई गौवंशों की मौत की घटनाएं सामने आई हैं, जिसने पशु प्रेमियों और सामाजिक संगठनों की चिंता और बढ़ा दी है।

राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि यदि प्रशासन गौवंश की सुरक्षा और संरक्षण के दावे करता है तो फिर शहर में खुलेआम घूम रहे पशु कूड़े के ढेरों पर प्लास्टिक खाने को क्यों मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि खुले में कूड़ा फेंकने वालों पर जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन ऐसी परिस्थितियों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और संस्थाओं की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि शहर में कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए।

पुनीत महाजन ने कहा कि गौमाता हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का प्रतीक हैं। उनकी उचित देखभाल और सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि शहर में घूम रहे गौवंश को सुरक्षित रूप से गौशालाओं तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए और वहां उनके भोजन, पानी तथा चिकित्सा सुविधाओं को सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि आवारा पशुओं की समस्या केवल पशु संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सड़क सुरक्षा से भी जुड़ा गंभीर विषय है। कई बार दिन और रात के समय पशु अचानक सड़कों पर आ जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। विशेषकर रात के समय कम रोशनी में वाहन चालकों के लिए यह स्थिति और अधिक जोखिमपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गौवंश की सुरक्षा के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी इस समस्या का समाधान आवश्यक है।

नरेंद्र जेतक ने कहा कि ट्राइसिटी क्षेत्र में लगभग हर जगह यही स्थिति देखने को मिलती है। पंचकूला, मोहाली, खरड़ तथा पंजाब और हरियाणा के अन्य शहरों में भी बड़ी संख्या में आवारा पशु सड़कों और कूड़े के ढेरों पर भटकते दिखाई देते हैं। उन्होंने पंजाब और हरियाणा सरकार के उच्च अधिकारियों से भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की।

सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि शहरों में आवारा गौवंश के लिए समर्पित आश्रय स्थल विकसित किए जाएं, मौजूदा गौशालाओं की क्षमता बढ़ाई जाए, नियमित बचाव अभियान चलाए जाएं और कूड़ा प्रबंधन प्रणाली को पूरी तरह दुरुस्त किया जाए। उनका कहना है कि गौवंश को सुरक्षित वातावरण, पर्याप्त भोजन और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है।

चिंता

पशु कल्याण, सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर बढ़ता खतरा।

अपील

चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली, खरड़ सहित पंजाब और हरियाणा के प्रशासन संयुक्त रूप से ठोस कार्रवाई करें।

सुझाव

आवारा पशुओं के लिए स्थायी आश्रय स्थल, नियमित निगरानी, चिकित्सा सुविधा और सुरक्षित भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

पुनीत महाजन भारतीय एकता मंच जनरल सेक्रेटरी कम फाउंडर और वरिष्ठ पत्रकार

राजवीर सिंह भारतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीमाजरा रेजिडेंट्स वेलफेयर ईडब्ल्यूएस

नरेंद्र जेतक
अध्यक्ष कम फाउंडर भारतीय एकता मंच पंजीकृत

रोहित ठाकुर ने दिलाई नवनिर्वाचित प्रधानों और उप-प्रधानों को शपथ

» प्रथम न्यूज । शिमला
15 जून (बी.शर्मा)

जिला शिमला के नव निर्वाचित प्रधानों व उप प्रधानों के लिए आज पीटरहॉफ में शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने की। इस दौरान मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश सुखविन्द्र सिंह सुक्खू विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री ने नवनिर्वाचित प्रधानों व उपप्रधानों को कार्यग्रहण की शपथ दिलाई और उनके विकासात्मक कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश के समग्र विकास में पंचायत प्रधानों और उप-प्रधानों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि 27 जून, 2026 को सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों से पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश की सभी पंचायतें आदर्श पंचायत बन सके और विकसित हिमाचल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें।

उन्होंने कहा की हिमाचल प्रदेश का 90 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र में बस्ता है, इसलिए हर गांव का मूलभूत सुविधाओं सहित विकसित होना आवश्यक है। उन्होंने बताया की 16वें वित्त आयोग द्वारा पंचायती राज विकास के लिए लगभग 3744 करोड़ रूपए की राशि जारी की जाएगी जिसे पंचायतों के विकास कार्यों पर खर्च किया जायेगा। इसके आलावा प्रदेश सरकार द्वारा भी संसाधन उपलब्ध करवाए जायेंगे ताकि हर पंचायत विकसित पंचयात बन सके। उन्होंने बताया कि पंचायती राज चुनावों

में निर्विरोध चुनी गई 137 पंचायतों को 25 लाख रुपए की राशि प्रति पंचायत प्रदान जाएगी। उन्होंने सभी निर्वाचित प्रधानों व उपप्रधानों से अपनी-अपनी पंचायत में स्वच्छता, नशा निवारण पर जागरूकता, स्वास्थ्य व पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं पर ज़मीनी स्तर पर तत्परता के साथ कार्य करने का आग्रह किया। इस अवसर पर उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने सभी गणमान्यों का स्वागत किया और समारोह की कार्यवाही से उपस्थित जनों को अवगत करवाया।

समारोह के अंत में अतिरिक्त उपायुक्त शिमला सचिन शर्मा ने मुख्यातिथि तथा अन्य अतिथिगणों का समारोह में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

इस दौरान अध्यक्ष 07वां राज्य वित्त आयोग एवं विधायक रामपुर नंद लाल, विधायक ठियोग कुलदीप सिंह राठौर, विधायक रोहड़ू मोहन लाल ब्राक्टा, विधायक शिमला शहरी हरीश जनारथा, अध्यक्ष हिमफैड महेश्वर सिंह चौहान, अध्यक्ष एच.पी.एम.सी देवानंद वर्मा, अध्यक्ष हिमकॉन विकेश चौहान, अध्यक्ष महिला आयोग विद्या नेगी, अध्यक्ष बाल आयोग अनीता ठाकुर, उपाध्यक्ष नशा निवारण बोर्ड संजय भारद्वाज, मुख्यमंत्री ने प्रधान आईटी सलाहकार गोकुल बुटेल, मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी गोपाल शर्मा, अतिरिक्त निदेशक पंचायती राज केवल शर्मा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त न्यूज

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 17 से 26 जून तक आयोजित होंगे जागरूकता कार्यक्रम

बिलासपुर (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम): धर्मपाल उपायुक्त राहुल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला बिलासपुर में आगामी 17 से 26 जून तक नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के उपलक्ष्य में नशा मुक्त भारत अभियान- विकसित भारत की पहचान विषय पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जिला के सभी शिक्षण संस्थानों, सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा अन्य संबंधित संगठनों के सहयोग से व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रतियोगिताएं, सेमिनार, वेबिनार, कार्यशालाएं, छात्र रैलियां, मानव श्रृंखलाएं, नुक्कड़ नाटक तथा खेल गतिविधियां शामिल रहेंगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विद्यालय एवं महाविद्यालय परिसर में नशा मुक्त भारत अभियान के नाम एक पौधरोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा तथा युवाओं और आमजन को नशे के विरुद्ध ई-प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने जिला के सभी विभागों, शिक्षण संस्थानों, पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों तथा आम नागरिकों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि 26 जून को जिला के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सरकारी कार्यालयों में नशे के विरुद्ध सामूहिक शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उपायुक्त ने कहा कि नशे के खिलाफ जन-आंदोलन खड़ा करना समय की आवश्यकता है तथा सभी के सामूहिक प्रयासों से ही स्वस्थ, सुरक्षित और नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है।

झंडूता कॉलेज में साइंस कक्षाएं बंद करने के फैसले पर विधायक जीतराम कटवाल ने जताया विरोध

बिलासपुर(जितेंद्र गौतम)- झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के नाम पर कॉलेजों में विषयों और पदों में की जा रही कटौती पर कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 से झंडूता डिग्री कॉलेज में साइंस की कक्षाएं बंद करने का निर्णय छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यह कॉलेज झंडूता विधानसभा क्षेत्र का एकमात्र उच्च शिक्षण संस्थान है, जहां 45 पंचायतों, विशेषकर पिछड़े क्षेत्र कोटधार की 14 पंचायतों के विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। कटवाल ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपकर साइंस संकाय को बहाल करने की मांग की है। उनका कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र दूर-दराज के कॉलेजों में पढ़ने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में साइंस की पढ़ाई बंद होने से उनके उच्च शिक्षा के सपने प्रभावित होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने फैसला वापस नहीं लिया तो भाजपा छात्रों और अभिभावकों के आंदोलन का समर्थन करेगी।

हिमाचल के सरकारी स्कूलों में 305 अंग्रेजी शिक्षकों की नियुक्ति, शिक्षा विभाग ने जारी किए आदेश

शिमला15 जून(एएम नाथ) – हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने सीबीएसई से संबद्ध राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में 305 अंग्रेजी शिक्षकों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। ये नियुक्तियां स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस इन हिमाचल प्रदेश योजना के तहत पांच वर्ष के अनुबंध पर की जाएंगी। चयनित शिक्षकों को विभिन्न सरकारी स्कूलों में तैनात किया जाएगा और उन्हें प्रतिमाह 30 हजार रुपये का समेकित मानदेय मिलेगा, जो एक शैक्षणिक सत्र में केवल 10 माह के लिए देय होगा।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह नियुक्तियां नियमित पदों के विरुद्ध नहीं हैं और इससे भविष्य में नियमित सरकारी नौकरी का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा। चयनित अभ्यर्थियों को पांच दिन के भीतर अपने-अपने विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण करना होगा। शिक्षकों को अंग्रेजी भाषा, लेखन और बोलचाल कौशल के साथ अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का दायित्व भी निभाना होगा। अनुशासनहीनता या नियमों के उल्लंघन की स्थिति में नियुक्ति तत्काल समाप्त की जा सकती है।

सब्जी मंडी एवं भट्टा कुफर स्कूल में आया भूकंप

जिला के विभिन्न उपमंडल में भूकंप की स्थिति को लेकर मेगा ड्रिल का आयोजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
15 जून (बी.शर्मा)

आपदा प्रबंधन को लेकर सोमवार को शिमला शहरी क्षेत्र के सब्जी मंडी और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भट्टाकुफर में मेगा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसके तहत सब्जी मंडी में सुबह 09 बजे रिक्टर स्केल पर 8.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया।

भूकंप की सूचना अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम डॉ भुवन शर्मा को प्राप्त हुई। इसके बाद मौके पर तैनात टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन आरंभ किया। भूकंप की चपेट में 10 से 14 भवन क्षतिग्रस्त हुए, जबकि 05 पुरुष और 01 महिला की मौके पर ही मौत दर्ज की गई। इसके अलावा 43 लोग घायल हुए जिसमें 25 पुरुष और 18 महिलाएं शामिल रहीं। सभी घायलों को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया।

रेस्क्यू कार्य 9 बजकर 24 मिनट पर आरंभ हुआ। रेस्क्यू टीम मौके के लिए 09 बजकर 21 मिनट पर रवाना हुई। इसके अलावा 500 लोगों को रेस्क्यू किया गया। 53 लोगों को मामूली चोटें आई जिनका उपचार मौके पर स्थापित मेडिकल कैंप में किया गया।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से मेगा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें आपदा से निपटने को लेकर अभ्यास करवाया गया। इसके अलावा मौके पर आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष रणनीति को अमलीजामा पहनाया गया।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कंट्रोल रूम में मेगा मॉक ड्रिल की पल-पल की अपडेट ली जा रही थी। इसके साथ ही सभी टीमों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा था। ड्रिल में नगर निगम एई रवि कौशल, एसडीआरएफ, आर्मी, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग की टीम, नगर निगम की टीम, आपदा मित्र मौजूद रहे।

विभिन्न उपमंडलों में भी आयोजित की मॉक एक्सरसाइज

रोहड़ू के चांशल होटल में 10 बजकर 9 मिनट पर भूंकप आया। इसमें 09 लोग फंसे हुए थे। इनमें से दो को काफी गंभीर चोटें आई थी। इसके अलावा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रोहड़ू में भी भूकंप के कारण लोग चपेट में आए। वही चौपाल स्कूल में 10 बजे भूकंप आया। इसमें 05 लोग घायल हुए जिनमें 03 पुरुष एवं 02 महिलाएं शामिल रहे, जबकि एक व्यक्ति की मौत हुई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कुपवी में मॉक ड्रिल हुई जिसमें 135 छात्र घायल हुए। इस दौरान 120 छात्रों को रेस्क्यू किया गया जबकि शेष 15 छात्रों को काफी मशक्कत के बाद रेस्क्यू किया गया। इसके अतिरिक्त, ठियोग में न्यू बस स्टैंड प्रेमघाट, कोटखाई में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटखाई, जुब्बल उपमंडल में ठाकुर राम लाल स्वर्ण जयंती उत्कृष्ट राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुब्बल, कुमारसैन उपमंडल के तहत जय बिहारी लाल खाची राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कुमारसैन, डोडरा क्वार उपमंडल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डोडरा में भी भूकंप की स्थिति को लेकर मॉक एक्सरसाइज आयोजित की गई

भट्टाकुफर में मेगा मॉक ड्रिल

मेगा मॉक ड्रिल के दौरान भट्टाकुफर में 09 बजकर 26 मिनट पर भूकंप दर्ज किया गया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भट्टाकुफर का भवन भूकंप के कारण पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। इस वजह से 2 लोगों की मौके पर मौत हुई। इसके अलावा 10 से 15 लोग मलबे में फंसे हुए थे जिन्हे रेस्क्यू किया गया। इस दौरान 347 लोगों को भी रेस्क्यू किया गया जो भवन के आसपास फंसे हुए थे। 98 छात्रों को मामूली चोटें आई हुई थी जिनका उपचार घटना स्थल पर स्थापित मेडिकल कैंप में किया गया।

चंबा के चौगान में नव-निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह

चंबा में 412 प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित, 2581 पदों के लिए हुआ चुनाव

» प्रथम न्यूज । चंबा
15 जून (एएम नाथ)

जिला चंबा के ऐतिहासिक चौगान मैदान में सोमवार को पंचायती राज संस्थाओं के नव-निर्वाचित प्रधानों एवं उपप्रधानों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने नव-निर्वाचित प्रतिनिधियों को संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा बनाए रखने तथा अपने दायित्वों का निष्पक्षता एवं ईमानदारी से निर्वहन करने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने सभी नवनिर्वाचित प्रधानों और उपप्रधानों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचायती राज संस्थाएं लोकतंत्र की मूलभूत इकाई हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे समाज के सभी वर्गों के विकास और कल्याण के लिए समान भाव से कार्य करें। कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पंचायतों को विकास कार्यों के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे ग्रामीण विकास को और गति मिल सकेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नीरज नैय्यर ने कहा कि पंचायतों में किए जाने वाले विकास कार्यों की गुणवत्ता तथा स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

इस अवसर पर विधायक डॉ. जनक राज, डी.एस. ठाकुर, जिला कृषि उपज एवं विपणन

समिति के अध्यक्ष ललित ठाकुर, हज समिति के अध्यक्ष दिलदार अली वट्ट, राज्य पथ परिवहन निगम के सदस्य निदेशक मंडल एवं जिला कांग्रेस समिति अध्यक्ष सुरजीत भरमौरी, राज्य कांग्रेस समिति महासचिव यशवंत खन्ना, राजीव कौशल, केवल सिंह ठाकुर, उपायुक्त (कार्यवाहक) अमित मैहरा, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार सकलानी, सहायक आयुक्त मनमोहन सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जिले के सात विकास खंडों के अंतर्गत 319 ग्राम पंचायतों में 319 प्रधान एवं 319 उपप्रधान पदों सहित कुल 638 पदों के लिए मतदान कराया गया। पंचायती राज संस्थाओं के कुल 2581 पदों के लिए लगभग 8000 वैध उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं सुचारू ढंग से संपन्न कराने के लिए करीब 4000 कर्मचारियों तथा 990 पुलिस एवं होमगार्ड जवानों की तैनाती की गई थी। जिले में कुल 4,07,829 मतदाता पंजीकृत थे। वहीं 4 प्रधान, 7 उपप्रधान, 1 पंचायत समिति सदस्य और 400 वार्ड सदस्य सहित कुल 412 प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

टॉस से तय हुआ पट्टा-महलोग ब्लॉक समिति अध्यक्ष का फैसला, भाजपा के अशोक कुमार बने अध्यक्ष

उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस समर्थित ओम प्रकाश ठाकुर की जीत, 15 सदस्यों की मौजूदगी में संपन्न हुआ चुनाव

» प्रथम न्यूज । बद्दी
15 जून (तारा)

पट्टा-महलोग ब्लॉक समिति की सत्ता पर भाजपा समर्थित अशोक कुमार ने कब्जा जमाया है। सोमवार को आईटीआई पट्टा स्थित सभागार में आयोजित पंचायत समिति पट्टा (महालोग ब्लॉक) के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के चुनाव में अध्यक्ष पद का फैसला टॉस से हुआ। कांटे की टक्कर वाले मुकाबले में दोनों प्रत्याशियों को समान मत मिलने के बाद टॉस की गई, जिसमें अशोक कुमार विजयी रहे और उन्हें अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं उपाध्यक्ष पद के चुनाव में कांग्रेस समर्थित ओम प्रकाश ठाकुर ने स्पष्ट बढ़त हासिल करते हुए जीत दर्ज की। उन्हें 9 मत मिले, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी रमा देवी को 6 मत प्राप्त हुए। इसके साथ ही ओम प्रकाश ठाकुर पंचायत समिति पट्टा के उपाध्यक्ष घोषित किए गए ।

पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 79 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायत राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 85 के तहत चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाई गई। निर्वाचन बैठक की अध्यक्षता पीठासीन अधिकारी एवं उपमंडलाधिकारी बद्दी डॉ. संजीव धीमान ने की। बैठक में पंचायत समिति के सभी 15 निर्वाचित सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में दोनों प्रत्याशियों को सात-सात मत मिले।

बराबरी की स्थिति बनने पर नियमानुसार टॉस कराया गया, जिसमें अशोक कुमार के पक्ष में फैसला आया। इसके बाद उन्हें अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया। उपाध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में ओम प्रकाश ठाकुर ने बहुमत हासिल करते हुए जीत दर्ज की। उनके पक्ष में नौ सदस्यों ने मतदान किया, जबकि रमा देवी को छह मत प्राप्त हुए।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक कुमार और उपाध्यक्ष ओम प्रकाश ठाकुर को एसडीएम बद्दी डॉ. संजीव धीमान ने बधाई देते हुए कहा कि दोनों जनप्रतिनिधि पंचायत समिति क्षेत्र के विकास, ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं के

प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर नायब तहसीलदार जगदीश शर्मा, खंड विकास अधिकारी पट्टा कुलदीप सिंह सहित पंचायत समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, पारदर्शी और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

इस मौके पर नायब तहसीलदार जगदीश शर्मा,खंड विकास अधिकारी पट्टा कुलदीप सिंह के इलावा दून के विधायक राम कुमार चौधरी व पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी, पूर्व मंडल अध्यक्ष व जिला भाजपा महा मंत्री बलवीर ठाकुर, समाजसेवी हंसराज चंदेल,मंडल अध्यक्ष खेमचंद ठाकुर, मनीष चौधरी, ललित वर्मा,वीर सिंह, महेंद्र सिंह, सुरेंद्र ठाकुर,गोपाल दत्त, डिंपल ठाकुर, इलावा सभी भाजपा समर्थित सदस्य मौजूद रहे।

विकास को मिलेगी नई दिशा

पट्टा-महालोग ब्लॉक समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं, सड़क, पेयजल, स्वच्छता और अन्य जनहित कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जाएगा ।

जोगिन्द्रा बैंक में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप, अधिवक्ता मुकेश शर्मा ने मांगी फॉरेंसिक जांच

JCCB पर अरबों के कथित घोटाले का आरोप, वित्त सचिव को भेजा गया विस्तृत प्रतिवेदन

जोगिन्द्रा बैंक के अधिकारियों और पूर्व प्रबंधन की भूमिका पर उठे सवाल, स्वतंत्र जांच की मांग

» प्रथम न्यूज । सोलन
15 जून (एएम नाथ)

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय तथा हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने जोगिन्द्रा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (JCCB), सोलन में कथित वित्तीय अनियमितताओं, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग तथा नियामकीय उल्लंघनों को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस संबंध में उन्होंने हिमाचल प्रदेश के वित्त सचिव को एक विस्तृत प्रतिवेदन भेजकर बैंक के विभिन्न वर्तमान एवं पूर्व अधिकारियों, निदेशक मंडल के सदस्यों तथा संबंधित नियामकीय अधिकारियों की भूमिका की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

प्रतिवेदन में अधिवक्ता शर्मा ने दावा किया है कि अप्रैल 2025 से अब तक 30 से अधिक दस्तावेज-समर्थित शिकायतें, अभ्यावेदन और कानूनी नोटिस विभिन्न संवैधानिक एवं नियामक संस्थाओं को भेजे जा चुके हैं। उनका आरोप है कि सार्वजनिक धन से जुड़े गंभीर मामलों पर अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बैंक में वर्षों से कुछ प्रभावशाली अधिकारियों का समूह निर्णय प्रक्रिया पर हावी रहा है। प्रतिवेदन में कुलदीप सिंह, राम पॉल, हरीश शर्मा, गुरमीत सिंह, रविन्द्र कुमार तथा कुछ शाखा प्रबंधकों के नामों का उल्लेख करते हुए उनकी भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

इसके अलावा वर्ष 2008 से अब तक विभिन्न अवधियों में कार्यरत रहे कई प्रबंध निदेशकों, अध्यक्षों और निदेशक मंडल के सदस्यों की जवाबदेही तय करने की भी मांग की गई है। अधिवक्ता शर्मा का आरोप है कि राजनीतिक प्रभाव और संरक्षण के कारण कई मामलों में जांच और जवाबदेही की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों की राजनीतिक निकटता के कारण शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही।

प्रतिवेदन में थाना दाड़लाघाट में दर्ज एफआईआर संख्या 45/2019 और 29/2023 के साथ-साथ राज्य विजिलेंस द्वारा दर्ज एफआईआर संख्या 00003/2025 का उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि इन मामलों के बावजूद जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

अधिवक्ता शर्मा ने विशेष रूप से वर्तमान प्रबंध निदेशक पंकज सूद और अध्यक्ष मुकेश शर्मा के कार्यकाल में हुए वित्तीय निर्णयों, निर्माण कार्यों, खरीद प्रक्रियाओं, विज्ञापन व्यय, दान, वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस), राइट-ऑफ तथा एनपीए मामलों की स्वतंत्र फॉरेंसिक जांच की मांग की है। उन्होंने 29 मई 2026 को प्रस्तावित लगभग 45 लाख रुपये से अधिक लागत के निर्माण कार्य पर भी सवाल उठाए हैं। प्रतिवेदन के अंत में वित्त सचिव से बैंक के वित्तीय लेन-देन की स्वतंत्र फॉरेंसिक ऑडिट, विजिलेंस जांच तथा विशेष जांच कराने, संबंधित अभिलेखों को सुरक्षित रखने और जांच पूरी होने तक गैर-जरूरी वित्तीय व्ययों पर रोक लगाने की मांग की गई है। हालांकि, इन आरोपों पर बैंक प्रबंधन अथवा संबंधित अधिकारियों की प्रतिक्रिया समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सकी है।

बाबा नाहर सिंह मंदिर, बडगांव में मंदिर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
15 जून (जितेंद्र गौतम)

बाबा नाहर सिंह मंदिर, बडगांव में मंदिर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में सम्पन्न हुई श्रीमद्भागवत कथा के सफल एवं भव्य आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर कथा आयोजन से संबंधित आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा पूर्ण पारदर्शिता के साथ मंदिर कमेटी के सदस्यों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

बैठक के दौरान मंदिर के गल्ले को भी विधिवत खोला गया तथा प्राप्त राशि का विवरण सभी के समक्ष रखा गया। मंदिर कमेटी ने यह संदेश दिया कि धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता एवं जनसहभागिता समाज के विश्वास को और अधिक मजबूत करती है। इस अवसर पर महासचिव सुधीर चंदेल ने कहा कि धर्म, संस्कृति एवं सामाजिक एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। जब समाज एकजुट होकर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में भागीदारी निभाता है, तभी क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।

बाबा नाहर सिंह जी के आशीर्वाद से बडगांव निरंतर सामाजिक समरसता, विकास एवं आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर रहे, यही सभी की कामना है। मंदिर कमेटी ने श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी श्रद्धालुओं, ग्रामवासियों, दानदाताओं एवं कमेटी के सम्मानित सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

वैभव सूर्यवंशी के साथ श्रीलंकाई खिलाड़ी ने की धक्का-मुक्की, 15 साल के लड़के ने जमकर दिया जवाब

15 साल के वैभव सूर्यवंशी सिर्फ बल्ले से ही आक्रामक नहीं है बल्कि जरूरत पड़ने पर वह स्वाभाव से भी आक्रामक हो सकते हैं। ये बात सोमवार को देखने को मिली जब श्रीलंका-ए के खिलाड़ियों ने वैभव को स्लैज किया और उनसे लड़ाई की। वैभव पीछे नहीं हटे और अकेले श्रीलंकाई टीम से भिड़ गए।

डांबुला में इंडिया-ए और श्रीलंका-ए का मैच हुआ। ये मैच काफी रोमांचक रहा और सुपर ओवर में फैसला निकला। मेजबान श्रीलंका ये मैच जीता और इसके बाद ही वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ियों से लड़ाई हो गई।

वैभव से भिड़े श्रीलंकाई खिलाड़ी

सुपर ओवर की आखिरी गेंद पर वैभव रन नहीं बना पाए और इंडिया-ए की टीम हार गई। इसके बाद श्रीलंकाई टीम जीत का जश्न मनाने लगी और इसके बाद विशेन हालामबेग ने वैभव और सूर्यांश शेड्गे से कुछ कह दिया।

इसके बाद दोनों खिलाड़ी भिड़ गए। श्रीलंकाई खिलाड़ी ने वैभव को धक्का दे दिया और फिर वैभव ने भी यही किया। श्रीलंका के ही कुछ खिलाडियों ने बीच बचाव किया। ड्रेसिंग रूम की तरफ लौटते हुए वैभव श्रीलंकाई खिलाड़ियों की तरफ हाथ से इशारा करते हुए कुछ कह रहे थे और गुस्से में नजर आ रहे थे।

बल्ले से रहे फेल

वैभव इस मैच में बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा सके। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया-ए की टीम ने पहला विकेट वैभव के रूप में ही खोया जो 14 गेंदों पर 21 रन ही बना सके।

इसके बाद सुपर ओवर में भी वह कुछ खास नहीं कर पाए। इंडिया-ए की टीम 49.2 ओवरों में 265 रनों पर ढेर हो गई। श्रीलंका ने भी यही स्कोर और मैच सुपर ओवर में गया। सुपर ओवर में श्रीलंका-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 रन बनाए। इंडिया-ए की टीम सिर्फ नौ रन ही बना सकी और मैच हार गई।

वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंका में खत्म किया 39 गेंदों का इंतजार, आउट करने में फिर से इस खिलाड़ी का रहा हाथ

श्रीलंका ए के खिलाफ ट्राई सीरीज के चौथे मैच में वैभव सूर्यवंशी ने इंडिया ए की ओर से खेलते हुए अपने 39 गेंदों के इंतजार को खत्म कर लिया है. हालांकि, उस इंतजार के थमने के कुछ देर बाद ही उनकी पारी का भी अंत हो गया. इंडिया ए और श्रीलंका ए की टीमें ट्राई सीरीज में दूसरी बार आमने-सामने हुईं, जिसमें एक बार फिर से वैभव सूर्यवंशी को जल्दी आउट करने में श्रीलंका ए के सहान अराछिगे का हाथ रहा. सहान ने इससे पहले दोनों टीमों के बीच हुई पहली टक्कर में भी वैभव के विकेट में अपना योगदान दिया था.

वैभव के विकेट में कैसे हर बार सहान अराछिगे का हाथ?

ट्राई सीरीज में श्रीलंका ए के साथ हुई दूसरी भिड़ंत में वैभव सूर्यवंशी 14 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए. उनकी पारी में 3 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. इस मैच में उनका विकेट श्रीलंका ए के कप्तान और दाएं हाथ के स्पिनर सहान अराछिगे ने लिया. उन्होंने वैभव को वानुजा सहान के हाथों कैच कराया.

इससे पहले इंडिया ए और श्रीलंका ए की पहली टक्कर के दौरान भी वैभव के विकेट में अराछिगे का हाथ था. तब उन्होंने शिराज की गेंद पर वैभव का कैच पकड़ा था. मतलब, इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेले पहले मैच में अराछिगे ने वैभव का कैच पकड़ा और दूसरे मैच में खुद की गेंद पर उन्हें कैच आउट कराया.

आउट होने से पहले वैभव ने खत्म किया 39 गेंदों का इंतजार

श्रीलंका ए के खिलाफ दूसरी भिड़ंत के दौरान ही वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई जमीन पर छक्के के लिए चले आ रहे 39 गेंदों के अपने इंतजार को भी खत्म किया. उन्होंने चामिका गुणासेकरा की गेंद पर इंडिया ए की पारी के दूसरे ओवर में छक्का लगाकर अपने इंतजार को खत्म किया. इससे पहले श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ खेले ट्राई सीरीज के पहले दो मैचों में वैभव ने कुल मिलाकर 34 गेंदें खेलने के बाद एक भी सिक्स नहीं मारा था. 15 जून को श्रीलंका ए के खिलाफ उन्होंने अपनी इनिंग की पहली 5 गेंदों को खेलने के बाद छठी गेंद पर पहला छक्का लगाया और इंतजार को खत्म किया.

श्रीलंका में वैभव सूर्यवंशी

वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंका में चल रही ट्राई सीरीज में अब तक 3 मैचों की 3 पारियों में 48 गेंदों का सामना करने के बाद 79 रन बनाए हैं, जिसमें 15 चौके और 1 छक्का शामिल हैं. इसमें 44 रन की सबसे बड़ी पारी उन्होंने अफगानिस्तान ए के खिलाफ खेली थी. जबकि श्रीलंका ए के खिलाफ पहले मैच में 14 रन बनाए थे.

कम होने का नाम नहीं ले रही हैं इंग्लैंड की मुसीबतें, स्टोक्स और एटकिंसन के बाद एक और दिग्गज हुआ बाहर

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन के बाद एक अन्य तेज गेंदबाज ओली रॉबिंसन भी घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के विरुद्ध ओवल में होने वाले दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच से बाहर हो गए हैं। रॉबिंसन ने पहले टेस्ट मैच में 77 रन देकर सात विकेट लिए थे। इंग्लैंड ने यह मैच 115 रन से जीता था। स्टोक्स और एटकिंसन को बुधवार को टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि एक नाइट क्लब में हुई घटना के बाद उनकी जांच चल रही है।

रिहैब में रहेंगे रॉबिंसन : रॉबिंसन टीम के साथ ही रहेंगे और 25 जून से ट्रेंट ब्रिज में शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट से पहले अपने घुटने की चोट से उबरने के लिए रिहैबिलिटेशन करवाएंगे। उनकी जगह पर अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले हेनरी क्रोकोम्बे को टीम में शामिल किया गया है। स्टोक्स की अनुपस्थिति में जो रूट टीम की कप्तानी करेंगे।

पहले मैच में मिली थी जीत

लॉर्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड को जीत मिली थी। इसी जीत का जश्न मनाने नाइट क्लब में पहुंचे स्टोक्स और एटकिंसन का वहां पर विवाद हो गया था। इसी कारण दोनों विवादों में फंस गए थे। हालांकि, इन दोनों ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के कर्फ्यू का भी उल्लंघन किया था और इसकी सजा भी इन दोनों को भुगतनी पड़ी है। इन तीनों खिलाड़ियों का टेस्ट मैच से बाहर होना इंग्लैंड के लिए तगड़ा झटका है। न्यूजीलैंड की टीम इस कमी का फायदा उठाते हुए जीत के रास्ते पर वापसी करना चाहेगी।

भाजपा ने कांग्रेस के गढ़ रोहड़ू में लगाई बड़ी सेंध, 31 कांग्रेस नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

मोदी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में बढ़ रहा जनविश्वास, कांग्रेस सरकार की उलटी गिनती शुरू, कांग्रेस सरकार दबाव, भय और झूठे मुकदमों की राजनीति कर रही है - संजीव कटवाल

» प्रथम न्यूज । शिमला
15 जून (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के पारंपरिक गढ़ माने जाने वाले रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र में बड़ी राजनीतिक सेंध लगाते हुए 31 कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई।

भाजपा प्रदेश कार्यालय दीपकमल, चक्कर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने सभी नवागंतुकों को पटका पहनाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य, प्रदेश सचिव संजय ठाकुर, प्रमोद ठाकुर, संजीव तथा रोहड़ू मंडल अध्यक्ष विजय मेहता विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने सभी नए सदस्यों का पार्टी परिवार में स्वागत किया।

संजीव कटवाल ने बताया कि भाजपा में शामिल होने वालों में लोअर कोटी से बीडीसी सदस्य ऋषु, मुड़ाब पंचायत के उपप्रधान हैरी गेस्टा सहित कांग्रेस संगठन के कई पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों और संगठनात्मक विफलता का परिणाम है कि उसके अपने नेता और कार्यकर्ता लगातार भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी छोड़ रहे हैं।

कांग्रेस सरकार दबाव, भय और झूठे मुकदमों की राजनीति कर रही है - संजीव कटवाल

मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने आरोप लगाया कि पंचायत और नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने व्यापक दबाव की राजनीति की। उन्होंने कहा कि चुनावों के बाद भी कांग्रेस सरकार लगातार प्रधानों, उपप्रधानों, पार्षदों और उनके परिवारों पर प्रशासनिक दबाव बना रही है।

कटवाल ने कहा कि कहीं झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं, कहीं व्यापारियों को विभिन्न विभागों के माध्यम से परेशान किया जा रहा है और कहीं स्थानांतरण तथा प्रशासनिक कार्रवाई की धमकियां दी जा रही हैं। इसके बावजूद जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि कांग्रेस सरकार के दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं हैं और भाजपा की विचारधारा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी से जुड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि रोहड़ू जैसे कांग्रेस के मजबूत क्षेत्र से 31 लोगों का भाजपा में शामिल होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार से निराश हो चुकी है।

मोदी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में बढ़ रहा जनविश्वास, कांग्रेस सरकार की उलटी गिनती शुरू

संजीव कटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। चाहे गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराना हो, आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा देना हो या सड़क, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास करना हो, केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों में चार में से तीन नगर निगमों में स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इसके बावजूद कांग्रेस सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतांत्रिक जनादेश को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि जिन नगर निगमों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला है, वहां भाजपा के ही मेयर और डिप्टी मेयर बनेंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता जगत प्रकाश नड्डा के हालिया हिमाचल दौरे पर कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए कटवाल ने कहा कि नड्डा ने स्वयं विस्तार से बताया है कि केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश को किस प्रकार निरंतर आर्थिक और विकासात्मक सहायता प्रदान कर रही है। कांग्रेस केवल झूठा प्रचार कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि केंद्र सरकार प्रदेश के विकास के लिए हर संभव सहयोग दे रही है।

कटवाल ने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के प्रति जनता का विश्वास तेजी से घट रहा है और आने वाले समय में भाजपा और अधिक मजबूत होकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा को व्यापक जनसमर्थन मिला है और कांग्रेस समर्थित जनप्रतिनिधि भी भाजपा में शामिल हो रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि प्रदेश में राजनीतिक परिवर्तन की भूमिका तैयार हो चुकी है।

ग्राम पंचायतें जरूरतमंद एवं पात्र लोगों तक पहुंचाएं सरकारी योजनाओं का लाभः राजेश धर्माणी

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
15 जून (जितेंद्र गौतम/धर्मपाल)

नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने आज बिलासपुर स्थित बहुउद्देशीय भाषा एवं संस्कृति भवन के सभागार (ऑडिटोरियम) में जिला के नव-निर्वाचित प्रधानों एवं उप-प्रधानों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राजेश धर्माणी ने कहा कि ग्राम पंचायतें सबसे जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास एवं जनकल्याण को समर्पित सरकार अनेक योजनाएं लेकर आती है, लेकिन प्रभावी क्रियान्वयन के अभाव में इन योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक समयबद्ध रूप से नहीं पहुंच पाता। ऐसे में विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान अनेक प्रकार के अंतराल एवं चुनौतियां सामने आती हैं, जिन्हें दूर करने में ग्राम पंचायतें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं और जनप्रतिनिधियों के बीच गहरा संबंध होता है तथा मतदाताओं की आस्था, विश्वास और अपेक्षाओं को पंचायत प्रतिनिधियों को सदैव समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का निर्णय लेते समय पंचायत प्रतिनिधियों को समाज के सबसे कमजोर एवं जरूरतमंद व्यक्ति को केंद्र में रखना चाहिए।

राजेश धर्माणी ने पंचायत प्रतिनिधियों से राजनीतिक प्रतिशोध से ऊपर उठकर समाज की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने तथा गांव के सबसे जरूरतमंद व्यक्ति एवं परिवार के हित में न्यायपूर्ण कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से गांवों के सतत विकास, प्राकृतिक संसाधनों के आवश्यकता से अधिक दोहन को रोकने तथा आर्थिक रूप से सशक्त ग्राम पंचायतों के निर्माण के लिए कार्य करने की अपील की। साथ ही पंचायतों से ऐसी गतिविधियों पर धनराशि व्यय करने को कहा, जिनसे आय के स्रोत सृजित हों और भविष्य में पंचायतें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सशक्त बन सकें। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि आदर्श ग्राम पंचायतों एवं आदर्श गांवों के निर्माण के दृष्टिकोण के साथ कार्य करें। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार 'हिम परिवार' के तहत प्रथम चरण में 1.20 लाख ऐसे परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर जोड़ रही है, जिनमें विधवा, अनाथ, परित्यक्त महिलाएं, गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति तथा मनरेगा में 90 दिन कार्य करने वाले परिवार शामिल हैं। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से कचरा मुक्त पंचायतों के निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा बेटियों के प्रति भेदभाव रहित वातावरण स्थापित करने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कई ग्राम पंचायतों में कन्या शिशु लिंगानुपात की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, जिस पर गंभीरता से कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बेटियों के प्रति व्याप्त भेदभावपूर्ण मानसिकता को समाप्त करने तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, न्याय एवं विकास के समान अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हरित आवरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने सामाजिक भागीदारी के माध्यम से महिला एवं युवक मंडलों को जोड़ते हुए राजीव गांधी वन संवर्धन योजना को शुरू किया है, पंचायतें इस योजना के बेहतर क्रियान्वयन में भी अहम भूमिका निभा सकती है। राजेश धर्माणी ने नशा मुक्त पंचायतों के निर्माण के लिए पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर गंभीरता से कार्य करने का आह्वान किया, ताकि समाज से इस सामाजिक बुराई का संपूर्ण उन्मूलन किया जा सके। उन्होंने भूमिहीन परिवारों को भूमि उपलब्ध करवाने के लिए भी सरकार को सहयोग प्रदान करने की अपील की।

सोढल मेले का आगाज, धार्मिक विधि-विधान के साथ हुआ हवन यज्ञ और ध्वजारोहण

» प्रथम न्यूज । जालंधर
15 जून (महेश रहेजा)

शहर की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान माने जाने वाले ऐतिहासिक सोढल मेले के शुभारंभ को लेकर सोमवार को सोढल मंदिर परिसर में हवन यज्ञ एवं ध्वजारोहण समारोह का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के माहौल में किया गया। इस पावन अवसर पर आम आदमी पार्टी के जालंधर सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र के इंचार्ज नितिन कोहली अपने परिवार सहित पहुंचे और धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर प्रदेश एवं शहरवासियों की सुख-समृद्धि के लिए मंगलकामना की। समारोह में उनकी धर्मपत्नी निधि कोहली और पुत्री ग्रविता कोहली भी उपस्थित रहीं। इसके अलावा जालंधर के मेयर वनीत धीर, मंदिर कमेटी के प्रधान विपन चड्ढा तथा मंदिर कमेटी के अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न हुए हवन यज्ञ के बाद पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार ध्वजारोहण की रस्म अदा की गई। इस धार्मिक आयोजन के साथ ही बहुप्रतीक्षित सोढल मेले की तैयारियों को औपचारिक रूप से गति मिल गई। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर नितिन कोहली ने कहा कि सोढल मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जालंधर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने और समाज में प्रेम, भाईचारे एवं सद्भावना को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने आगामी सोढल मेले के सफल आयोजन और क्षेत्र की तरक्की एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website : www.prathamnews.in

एक नज़र

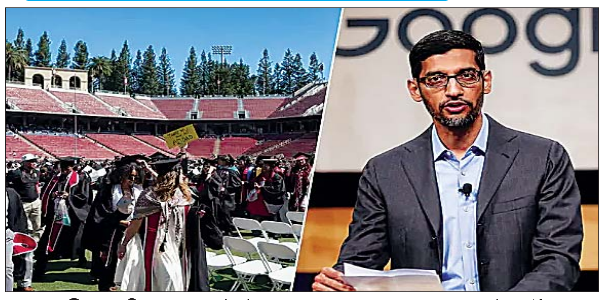

सुंदर पिचाई का छात्रों ने उड़ाया मजाक, भाषण के दौरान स्टैनफोर्ड के 200 ग्रेजुएट्स ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली (ब्यूरो): गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में भाषण के दौरान करीब 200 छात्रों के वॉकआउट का सामना करना पड़ा। ऐसा तब हुआ, जब उन्होंने छात्रों की नाराजगी से बचने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जिक्र नहीं किया। यह जानकारी रिपोर्ट में दी गई।

एसएफगेट की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 200 छात्रों ने इजरायल के साथ गूगल के संबंधों और अन्य शिकायतों के विरोध में समारोह से वॉकआउट किया। हालांकि सिलिकॉन वैली के बीचों-बीच स्थित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट होने वालों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक आम विषय लग सकता है, लेकिन इस साल जब भी किसी कॉलेज के दीक्षांत समारोह के वक्ता ने इस विषय पर बात की, तो उन्हें छात्रों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। स्पीच में पिचाई ने भारत से सिलिकॉन वैली तक के अपने निजी सफर के बारे में बात की और अपनी शुरुआती मुश्किलों और संघर्षों का जिक्र किया। उन्होंने कैलिफोर्निया जाने, डॉक्टरेट छोड़कर मास्टर्स डिग्री लेने का फैसला करने और गूगल से जुड़ने के बाद हुई मुश्किलों के बारे में बताया। रिपोर्ट में कहा गया, जब पिचाई मंच पर आए तो करीब 200 छात्र बाहर चले गए। दर्शकों में मौजूद छोटे-छोटे समूहों ने बैनर लहराए, सीटी बजाई और फिलिस्तीनी झंडे दिखाए, और फिर भाषण के बीच में ही बाहर चले गए। फिलिस्तीन-समर्थक प्रदर्शनकारियों ने कंपनी के इजरायली सरकार के साथ संबंधों का विरोध किया, खासकर 2021 में हुए 'प्रोजेक्ट निंबस' का, जो इजरायल के साथ 1.2 अरब डॉलर का क्लाउड-कंप्यूटिंग समझौता था। शुरुआती विरोध के बाद समारोह जारी रहा और पिचाई के किस्सों पर लोगों ने थोड़ी-बहुत तालियां बजाईं और हंसी-मजाक भी हुआ। छात्रों का इस तरह बाहर जाना पिछले तीन वर्षों में स्टैनफोर्ड के दीक्षांत समारोहों में हुई ऐसी ही घटनाओं और गाजा में इजरायल के युद्ध तथा कैंपस में फिलिस्तीन-समर्थक प्रदर्शनों पर यूनिवर्सिटी की सख्ती के खिलाफ छात्रों के विरोध का ही एक हिस्सा है। प्रदर्शनकारियों ने पीपल्स कमेंसमेंट नाम का एक अलग कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें एक्टिविस्ट महमूद खलील मुख्य वक्ता थे। पिछले साल कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फिलिस्तीन-समर्थक एक्टिविज्म के कारण अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारियों ने खलील को 100 से अधिक दिनों तक हिरासत में रखा था। पिछले महीने यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के दीक्षांत समारोह में गूगल के पूर्व सीईओ एरिक शिमट को लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ा; जब शिमट ने कहा कि एआई हर चीज को प्रभावित करेगा,तो ग्रेजुएट छात्रों ने हूटिंग करके अपना विरोध जताया।

अयोध्या मंदिर चंदा चोरी की जांच के लिए CJI को लिखा गया पत्र, स्वतंत्र जांच की मांग

अयोध्या (ब्यूरो): श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे और दान राशि में कथित हेराफेरी के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पत्र याचिका भेजी गई है। सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता अनूप अवस्थी ने मुख्य न्यायाधीश से इस मामले में स्वत: संज्ञान लेने की मांग की है। पत्र याचिका में मंदिर के दान और चढ़ावे में कथित गड़बड़ी की स्वतंत्र एजेंसी से सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि श्रद्धालुओं का विश्वास बनाए रखने के लिए एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए। अयोध्या राम मंदिर में चंदा चोरी का मामला इन दिनों राजनीतिक और सामाजिक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद यह मामला और गरमा गया। अब तक इस मामले में दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और उनके पास से लाखों रुपये बरामद किए जाने की बात सामने आई है। मामले की जांच तेज कर दी गई है। इस विवाद पर अब वरिष्ठ बीजेपी नेता और राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े रहे विनय कटियार ने भी चिंता जताई है। रविवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यदि ट्रस्ट से जुड़े लोग ही गड़बड़ी में शामिल पाए जाते हैं तो इससे मंदिर परियोजना की मूल भावना प्रभावित होगी। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने को कहा। कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में एसआईटी का गठन किया गया है और अब सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री स्वयं इस मामले पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि मंदिर का चढ़ावा किसी निजी स्थान पर ले जाया गया है तो यह गंभीर मामला है और इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

Flipkart ठगी रैकेट का भंडाफोड़, 5 आरोपी गिरफ्तार

सासाराम (ब्यूरो): बिहार के रोहतास जिले के नगर थाना पुलिस ने फ्लिपकार्ट के महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामानों की अदला-बदली कर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से कार, कैमरा, लैपटॉप, मोबाइल फोन समेत बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 13 जून की शाम करीब 8:30 बजे डेहरी और सासाराम की फ्लिपकार्ट टीम तीन संदिग्ध व्यक्तियों को कुछ पार्सलयुक्त सामान के साथ नगर थाना लेकर पहुंची थी। इनमें दो व्यक्ति फ्लिपकार्ट के डिलीवरी ब्वॉय के रूप में कार्यरत थे, जबकि तीसरा व्यक्ति प्राप्त सामान की डुप्लीकेट वस्तुएं तैयार करने का काम करता था। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि पूछताछ के दौरान तीनों ने खुलासा किया कि गिरोह का संचालन समस्तीपुर निवासी सत्यकाम उर्फ किशु और अमर राजा कर रहे थे। दोनों ने उन्हें 40 हजार रुपये प्रतिमाह का लालच देकर इस अवैध कारोबार में शामिल किया था। गिरोह महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामानों की डिलीवरी के दौरान असली उत्पाद निकालकर उसकी जगह नकली अथवा कम कीमत की वस्तुएं रख देता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष छापेमारी दल का गठन किया। तकनीकी शाखा और स्थानीय पुलिस की मदद से एक संदिग्ध वाहन की पहचान की गई। सूचना के आधार पर गया जिले के आमस थाना क्षेत्र में वाहन को रोककर उसमें सवार अमर राजा और सत्यकाम चौधरी को हिरासत में लिया गया तथा डेहरी थाना लाया गया। वाहन की तलाशी के दौरान पुलिस ने एक सोनी कैमरा, दो लैपटॉप, कई मोबाइल फोन, तीन एप्पल हेडफोन, 15 बॉडी कैमरा, छह स्मार्ट वॉच, तीन गो-प्रो कैमरा, पांच ईयरबड्स, 14 मोबाइल चार्जर व डेटा केबल, प्लास्टिक सीलिंग मशीन सहित अन्य सामान बरामद किए। इसके अलावा दो हार्ड एयर गन भी जब्त की गईं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सत्यकाम उर्फ किशु, अमर राजा, चंदन कुमार, प्रदीप कुमार प्रिंस और हर्षल कुमार के रूप में हुई है। सभी समस्तीपुर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और इस नेटवर्क से जुड़े संभावित मामलों की जांच में जुटी है।

व्यापारिक जहाजों पर अमेरिकी मिसाइल हमला, 3 भारतीयों की मौत के बाद नई ड्यूटी पर सरकार की सख्त एडवाइजरी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
15 जून (एजेंसी)

पूरी दुनिया के व्यापारिक जहाजों पर काम करने वाले हर 6 नाविकों में से एक भारतीय है। हाल ही में एक अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की दर्दनाक मौत के बाद भारत सरकार ने बेहद सख्त कदम उठाया है।

डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ शिपिंग (डीजी शिपिंग) ने सभी समुद्री भर्ती एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अगले आदेश तक किसी भी भारतीय नाविक को संघर्ष वाले क्षेत्रों में नई ड्यूटी पर बिल्कुल न भेजा जाए। ईरान युद्ध शुरू होने के समय इस पूरे इलाके में करीब 23 हजार भारतीय नाविक तैनात थे, जिनमें से आधे से ज्यादा यूएई में हैं।

वहीं, इंटरनेशनल मेरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक 20 हजार से ज्यादा नाविक अभी भी फारस की खाड़ी में अलग-अलग जहाजों पर फंसे हुए हैं।

अमेरिकी मिसाइल हमला और शिपिंग कंपनी का पलटवार

बीते 8, 10 और 11 जून को अमेरिकी नौसेना ने मारिवेक्स, सेटेबेलो और जलवीर नाम के तीन व्यापारिक जहाजों पर हेलफायर मिसाइलों से जोरदार हमला किया था।

मारिवेक्स और जलवीर में तो कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन सेटेबेलो पर हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों- एक चीफ इंजीनियर, एक इंजन फिटर और एक डेक कैडेट की जान चली गई।

अमेरिकी सेना का आरोप है कि ये जहाज ईरानी तेल से जुड़े प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहे थे और निर्देश नहीं मान रहे थे।

हालांकि, सेटेबेलो का संचालन करने वाली कंपनी 'आईओएस मरीन एफजेडई' ने अमेरिका के इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। कंपनी का स्पष्ट कहना है कि जहाज 10 दिनों से एक ही जगह पर खड़ा था, उन्हें कोई चेतावनी नहीं मिली थी और उनका ईरानी तेल या बंदरगाहों से कोई लेना-देना नहीं है।

होर्मुज स्ट्रेट और ओमान की खाड़ी के लिए खास एडवाइजरी

सरकार की तरफ से जारी की गई नई एडवाइजरी में साफ तौर पर कहा गया है कि होर्मुज स्ट्रेट और ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अब अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी और सभी सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। युद्ध के मौजूदा हालातों को देखते हुए बीच समंदर में जरूरत पड़ने पर क्रू बदलने की अनुमति दी गई है, लेकिन इसके लिए संबंधित नाविक की सहमति होना अनिवार्य शर्त होगी।

बिना सहमति के किसी को खतरे में नहीं डाला जा सकेगा।

भारत ने अमेरिका के सामने दर्ज कराया कड़ा विरोध

निर्दोष भारतीय नाविकों की जान जाने के बाद कूटनीतिक स्तर पर भी तल्खी बढ़ गई है। भारत ने इस गंभीर मुद्दे पर अमेरिका के सामने कड़ा ऐतराज जताया है।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस घटना पर आपत्ति जताते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से सीधे तौर पर कहा है कि निर्दोष व्यापारिक जहाजों पर इस तरह के मिसाइल हमले करना किसी भी लिहाज से सही नहीं है।

पाकिस्तान में सड़क पर क्रैश हुआ एयर फोर्स का विमान, आग के गोले में तब्दील हुए 2 पायलट

» प्रथम न्यूज । मरदान
15 जून (एजेंसी)

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आसमान से अचानक मौत बरसने लगी, जब पाकिस्तान एयर फोर्स का एक ट्रेनी विमान बीच सड़क पर आ गिरा।

इस खौफनाक हादसे में विमान उड़ा रहे दो पायलटों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि सड़क पर मौजूद तीन निर्दोष लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और हर तरफ चीख-पुकार सुनाई देने लगी। घटना का एक दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसे देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएं।

सड़क पर बिखर गए पायलटों के शव, जांच के आदेश जारी

हादसा इतना भीषण था कि जान गंवाने वाले दोनों पायलटों के शव सड़क पर बिखर गए। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस दर्दनाक हादसे और इसमें हुई मौतों की आधिकारिक पुष्टि की है। जान गंवाने वाले दोनों पायलटों की पहचान कैप्टन कासिम और कैप्टन तलहा के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गया और सड़क पर घायल पड़े तीनों लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

फिलहाल राहत कार्य जारी है और पाकिस्तान एयर फोर्स ने इस विनाशकारी क्रैश की असल वजह का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है।

आसमान से आग का गोला बनकर गिरा विमान

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान एयर फोर्स के इस ट्रेनी विमान ने अपनी नियमित ट्रेनिंग के लिए उड़ान भरी थी।

सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन उड़ान के बीच में ही विमान में अचानक कोई गंभीर तकनीकी समस्या आ गई। देखते ही देखते यह विमान अपना नियंत्रण खो बैठा और सीधे मरदान इलाके की एक सड़क पर जा गिरा।

जमीन से टकराते ही विमान में एक जोरदार धमाका हुआ और वह धू-धू कर जलने लगा। चश्मदीदों का कहना है कि क्रैश के तुरंत बाद मौके से काले धुएं का एक विशाल गुबार आसमान की तरफ उठता दिखाई दिया और विमान के परखच्चे दूर-दूर तक बिखर गए।

छुट्टियां मनाने पाकिस्तान आए परिवार पर पुलिस ने बरसाईं गोलियां, 9 वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत

» प्रथम न्यूज । लाहौर
15 जून (एजेंसी)

पाकिस्तान इन दिनों दो वजहों से अपनी फजीहत करा रहा है। एक तो कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सुरक्षा बलों की ज्यादतियों और दूसरा चकवाल एनकाउंटर को लेकर। एक ऐसी मुठभेड़ जिसमें 9 साल की बच्ची को गोलियों से भून दिया गया। उसके पिता और भाई घायल हो गए। 10 जून को ये वारदात हुई और अब दुनिया की मीडिया पाकिस्तान के इस ढुलमुल रवैए पर सवाल उठा रही है। खासकर, ऑस्ट्रेलिया की मीडिया क्योंकि ये लोग ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं। छुट्टियां मनाने पाकिस्तान आए परिवार पर पुलिस ने भूल से गोलीबारी की, जिसे ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया है, जिससे पाकिस्तान की कानून-व्यवस्था और पुलिस कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना 10 जून की है, जब पर्थ में रहने वाला परिवार चकवाल में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने जा रहा था। रास्ते में कथित लुटेरों ने परिवार को बंदूक की नोक पर रोक लिया।

इसी दौरान मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों और संदिग्धों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। पुलिस ने भ्रमवश यह मान लिया कि लुटेरे परिवार की कार में भागने की कोशिश कर रहे हैं और उन्होंने कार पर गोलियां चला दीं।

इस फायरिंग में नौ वर्षीय हानिया की मौत हो गई, जबकि उसके पिता और भाई घायल हो गए।

ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख समाचार संस्थान ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) और एसबीएस ने इस घटना को प्रमुखता से प्रकाशित किया। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि एक विदेशी नागरिक परिवार, जो छुट्टियां मनाने पाकिस्तान आया था, पुलिस की कथित लापरवाही का शिकार बन गया।

प्रमुख पाकिस्तानी दैनिक द डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए पंजाब (पाकिस्तान) के अपराध नियंत्रण शाखा (सीसीडी) के प्रमुख सोहेल चाथा ने स्वीकार किया कि संबंधित अधिकारी ने तय मानकों का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में पुलिस अधिकारी की बड़ी लापरवाही सामने आई है और निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने न केवल पाकिस्तान की पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि विदेशी पर्यटकों और प्रवासी पाकिस्तानियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ा दी हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में हुई आलोचना से पाकिस्तान को कूटनीतिक और छवि संबंधी नुकसान झेलना पड़ रहा है, जबकि न्याय और जवाबदेही की मांग लगातार तेज हो रही है।

पुरानी कार में भरवा रहे हैं E20 पेट्रोल ? इंश्योरेंस क्लेम और इंजन डैमेज को लेकर सामने आई ये बड़ी चेतावनी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
15 जून (ब्यूरो)

अगर आपके पास अप्रैल 2023 से पहले खरीदी गई कार है और आप उसमें नया E20 (20% एथेनॉल ब्लेंड) पेट्रोल भरवा रहे हैं, तो यह खबर आपकी जेब पर भारी असर डाल सकती है। देश की प्रमुख जनरल इंश्योरेंस कंपनी आईसीआईसीआई (ICICI) लोम्बार्ड ने हाल ही में चेतावनी दी है कि पुरानी और नॉन-कम्पैटिबल कारों में E20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले इंजन डैमेज पर बीमा क्लेम रिजेक्ट किया जा सकता है।

बीमा कंपनियां इसे 'अनुचित इस्तेमाल' या 'लापरवाही' की श्रेणी में रख सकती हैं। हालांकि, मीडिया में खबर आने के बाद कंपनी ने अपने ब्लॉग से यह हिस्सा हटा लिया है, लेकिन इस खुलासे ने उन लाखों कार मालिकों की चिंता बढ़ा दी है, जिनकी गाड़ियां हाई-एथेनॉल पेट्रोल को सपोर्ट नहीं करती हैं।

पुरानी कारों के इंजन के लिए कैसे नुकसानदायक है एथेनॉल: भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने अप्रैल 2023 से श्व20-कम्पैटिबल वाहन बेचने शुरू किए थे।

इसका सीधा अर्थ है कि वर्तमान में सड़कों पर दौड़ रही ज्यादातर गाड़ियां हाई-एथेनॉल ब्लेंड के अनुकूल नहीं बनाई गई हैं। आज पूरे देश में पेट्रोल पंपों पर बिना एथेनॉल वाला या E10 ईंधन खोजना लगभग नामुमकिन हो गया है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के अनुसार, एथेनॉल स्वभाव से कोरोसिव (जंग लगाने वाला) होता है। जिन गाड़ियों का इंजन इसके लिए डिजाइन नहीं है, उनमें यह रबड़ सील, फ्यूल लाइन और इंजन के अहम हिस्सों को धीरे-धीरे गलाने लगता है। यह नुकसान एक दिन में नहीं होता, बल्कि समय के साथ अंदर ही अंदर बढ़ता है, जिससे क्लेम के समय बड़ा विवाद खड़ा हो जाता है।

: सरकार ने पिछले साल यह स्पष्ट किया था कि श्व20 पेट्रोल के इस्तेमाल से आपकी इंश्योरेंस पॉलिसी रद्द नहीं होगी, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि इंजन खराब होने पर आपको क्लेम आसानी से मिल जाएगा। बीमा कंपनियों की स्टैंडर्ड पॉलिसी में समय के साथ धीरे-धीरे होने वाले नुकसान (कंसीक्वेंशियल डैमेज) को कवर नहीं किया जाता है। अगर कार मालिक यह सोच रहे हैं कि 'इंजन प्रोटेक्शन एड-ऑन' उन्हें बचा लेगा, तो यहां भी बड़ा पेंच है। ये एड-ऑन मुख्य रूप से पानी घुसने या ऑयल लीक होने जैसी स्थितियों के लिए होते हैं, न कि फ्यूल के कारण हुए केमिकल रिएक्शन या जंग के लिए। ऐसे में इंश्योरेंस कंपनी के साथ-साथ कार निर्माता कंपनी भी वारंटी क्लेम को खारिज कर सकती है।

महंगा पेट्रोल ही बचा है एकमात्र सुरक्षित विकल्प: इस बड़ी परेशानी और डैमेज के खतरे से बचने के लिए प्रीमियम ग्रेड पेट्रोल (जैसे XP95) का इस्तेमाल एक सुझाव के रूप में सामने आया है, जिसमें एथेनॉल की मात्रा कम होती है। हालांकि, यह पुराने इंजनों के लिए सुरक्षित माना जाता है, लेकिन यह कोई स्थायी समाधान नहीं है और आम आदमी की जेब पर काफी भारी पड़ता है।

एक तरफ जहां केंद्र सरकार एथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल को लगातार बढ़ावा देते हुए E22 से लेकर श्व30 तक के हाई-एथेनॉल पेट्रोल से एक्साइज ड्यूटी हटा रही है, वहीं पुराने वाहन मालिकों के सामने अब अपने इंजन की सुरक्षा और ईंधन के महंगे बजट के बीच संतुलन बिठाने की एक गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है।

'कुमकुम भाग्य' फेम एक्ट्रेस संचिता उगले ने लगाई फांसी, मौत से 19 घंटे पहले के वीडियो ने खड़े किए गंभीर सवाल

» प्रथम न्यूज । मुंबई
15 जून (ब्यूरो)

मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद और स्तब्ध कर देने वाली खबर सामने आई है। कई मशहूर टीवी सीरियल्स और फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेरने वाली 30 वर्षीय एक्ट्रेस संचिता उगले ने 14 जून को मुंबई में सुसाइड कर लिया है।

इस मनहूस खबर के सामने आते ही पूरी टीवी इंडस्ट्री और उनके फैंस गहरे सदमे में हैं। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और हर कोई यह जानने की कोशिश कर रहा है कि एक हंसती-खेलती और खुशमिजाज लड़की ने अचानक फांसी लगाकर मौत को गले क्यों लगा लिया।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़ा इत्तेफाक

संचिता की मौत ने लोगों को एक और गहरे जख्म की याद दिला दी है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि साल 2020 में ठीक इसी तारीख यानी 14 जून को ही बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की भी मौत हुई थी।

संचिता ने फांसी लगाकर अपनी जान दी है, लेकिन उन्होंने यह कदम किन वजहों से उठाया, इसे लेकर अभी तक कोई भी पुख्ता जानकारी सामने नहीं आ सकी है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि इस असमय मौत के पीछे छिपे असली कारणों का पर्दाफाश हो सके।

विक्की कौशल की 'छावा' और हिट टीवी शोज में छोड़ चुकी हैं छाप

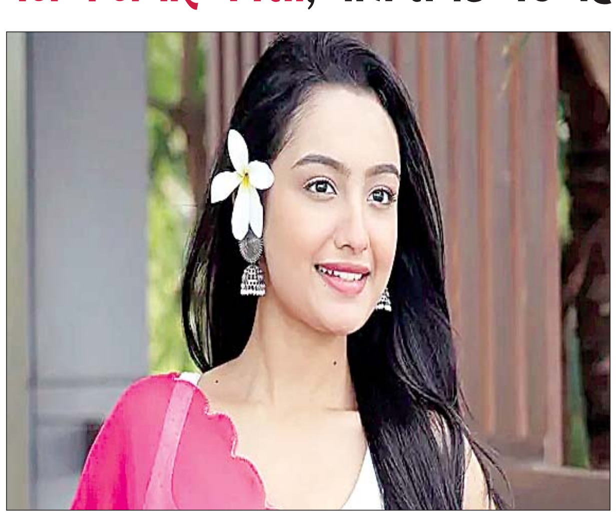

संचिता अपनी दमदार एक्टिंग के लिए छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक पहचानी जाती थीं। उन्होंने 'साजन घर', 'कुमकुम भाग्य', 'वागले की दुनिया' और 'दिलवाली दूल्हा ले जाएगी' जैसे लोकप्रिय शोज में अपने अभिनय का लोहा मनवाया था।

इसके अलावा उन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' में भी अपने अभिनय का जलवा बिखेरा था, जिसमें वह 'ताराबाई' के किरदार में नजर आई थीं। उनके अचानक चले जाने से इंडस्ट्री ने एक होनहार अदाकारा को खो दिया है।

आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट देखकर यकीन कर पाना है मुश्किल

एक्ट्रेस के सुसाइड से भी ज्यादा उनके आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। मौत को गले लगाने से महज 19 घंटे पहले संचिता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह अपने हाथों में कैमरा पकड़े बेहद खुश, हंसती और चहकती हुई नजर आ रही थीं।

वीडियो का कैप्शन उन्होंने 'मैं नाचूं तू नाचा' लिखा था। इंस्टाग्राम पर उनके 1 लाख 39 हजार फॉलोअर्स थे और उनकी प्रोफाइल देखकर साफ पता चलता था कि वह जिंदगी को खुलकर जीने वाली बिंदास लड़की थीं। कैमरे पर मुस्कुराते उनके उस चेहरे के पीछे ऐसा कौन सा गहरा दर्द छिपा था जिसने उन्हें मौत चुनने पर मजबूर कर दिया, यह सवाल अब हर किसी के जेहन में कौंध रहा है। सोशल मीडिया पर सेलेब्स और फैंस नम आंखों से अपनी इस चहेती एक्ट्रेस को आखिरी विदाई दे रहे हैं।